website : - www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 | RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 | वर्ष : 7 | अंक : 23 | १६ दिसंबर 2023 | मूल्य : 10

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० हटाने के फ़ैसले को बरकरार रखा

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पाँच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फ़ैसला देते हुए जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का फ़ैसला बरकरार रखा है.

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगले साल सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिए क़दम उठाने चाहिए. शीर्ष अदालत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा जितनी जल्दी बहाल किया जा सकता है, कर देना चाहिए.

फ़ैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट के चीफ़ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ''राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्य की ओर से लिए गए केंद्र के फ़ैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती है. अनुच्छेद ३७० युद्ध जैसी स्थिति में एक अंतरिम प्रावधान था. इसके टेक्स्ट को देखें तो भी पता चलता है कि यह अस्थायी प्रावधान था.''

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद ३७० को निरस्त करने के लिए आदेश जारी करने की राष्ट्रपति की शक्ति और लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फ़ैसले को वैध मानता है.

अनुच्छेद ३७० को निष्प्रभावी करने के ख़िलाफ़ याचिकाकर्ताओं ने एक दलील ये भी दी थी कि राष्ट्रपति शासन के दौरान केंद्र सरकार राज्य की तरफ़ से इतना अहम फ़ैसला नहीं ले सकती है.

नई दिल्ली में संविधान के अनुच्छेद ३७० को निरस्त को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच पर फैसला सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया।

सीजेआई की कही ये बड़ी बातें

- जम्मू कश्मीर के पास भारत में विलय के बाद आंतरिक संप्रभुता का अधिकार नहीं है
- राष्ट्रपति शासन की घोषणा को चुनौती देना वैध नहीं है।
- अनुच्छेद ३७० एक अस्थायी प्रावधान था
- संविधान सभा के भंग होने के बाद भी राष्ट्रपति के आदेशों पर कोई प्रतिबंध नहीं।
- राष्ट्रपति का शक्ति प्रयोग दुर्भावनापूर्ण नहीं था और इसके लिए राज्य से सहमति लेना ज़रूरी नहीं था।
- लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाना वैध।
- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कर के जल्द से जल्द चुनाव हों

मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन के दौरान ही अनुच्छेद ३७० हटाया था.

सुप्रीम कोर्ट की जिस संविधान पीठ ने इस मामले में फ़ैसला सुनाया है उसमें मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, बीआर गवई और सूर्यकांत शामिल हैं.

मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, राष्ट्रपति के पास अनुच्छेद ३७० हटाने का अधिकार है. सीजेआई ने कहा कि जम्मू-कश्मीर संविधान सभा की सिफ़ारिशें राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं हैं और भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू-कश्मीर पर लागू हो सकते हैं.

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि भारत का चुनाव आयोग ३० सितंबर २०२४ तक जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव कराने के लिए कदम उठाए.

- इस संविधान पीठ ने १६ दिनों तक चली जिरह के बाद इसी साल पाँच सितंबर को अपना फ़ैसला सुरक्षित रख लिया था.
- इस मामले में कुल २३ याचिकाएं दायर की गई थीं. याचिकाकर्ताओं में नागरिक समाज संगठन, वकील, राजनेता, पत्रकार और कार्यकर्ता शामिल हैं.
- याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अनुच्छेद ३७० को निरस्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बाँटने को रद्द करने की मांग की थी.
- याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि यह लोगों की इच्छा के ख़िलाफ़ जाने के लिए किया गया एक राजनीतिक कृत्य था.

(शेष पृष्ठ ६ पर)

न्यायालय ने कहा-

- अनुच्छेद ३७०(३) के तहत राष्ट्रपति को ३७० को निष्प्रभावी करने का अधिकार है.
- सर्वोच्च न्यायालय ने ये भी कहा है कि राज्य में युद्ध जैसे हालात की वजह से अनुच्छेद ३७० एक अस्थायी व्यवस्था थी और संविधान के अनुच्छेद एक और ३७० से ये स्पष्ट है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है.
- फ़ैसला सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वो सितंबर २०२४ तक जम्मू कश्मीर में चुनाव कराएं.

यहां विराजमान होंगे रामलला

ऐसा है अयोध्या राम मंदिर का गर्भगृह

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर पर काम जोरों पर चल रहा है, गर्भगृह भी लगभग तैयार हो गया है. यह वही स्थान है, जहां राम लला की मूर्ति स्थापित की जाएगी.

हाल ही में लाइटिंग-फिटिंग का काम भी पूरा हो गया है. अयोध्या में राम मंदिर अगले साल २२ जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार हो जाएगा. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या में 'प्राण प्रतिष्ठा' (अभिषेक समारोह) में शामिल होने के लिए लगभग ६,००० लोगों को पत्र भेजेगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन प्रमुख हस्तियों में से हैं जिनके इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है.

२२ जनवरी को अयोध्या में भगवान से राम की प्राण प्रतिष्ठा होगी इस निमित्त रामलाल के दर्शन के लिए अयोध्या में अधिक से अधिक लोगों की उपस्थिति हो सके इसको लेकर पूरे झारखंड से ३० लाख व अकेले बोकारो से ढाई लाख परिवारों को अयोध्या आने का निमंत्रण दिया जाएगा। यह जानकारी संघ के प्रांत कार्यवाह संजय जी ने शनिवार को सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर ३ल में संघ के समन्वय बैठक में बोल रहे थे। आगे उन्होंने विस्तार से कार्यक्रम की चर्चा करते हुए बताया कि १ जनवरी से १५ जनवरी तक झारखंड के ३० लाख परिवारों तक पहुंच कर अयोध्या में हो रहे श्री राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा के निर्माता अपने-अपने क्षेत्र से मंदिरों को अयोध्या धाम का प्रतीक मानकर २२ जनवरी २०२४ को धार्मिक अनुष्ठान महा आरती एवं रात्रि में अपने घरों में दीपोत्सव मनाने का आग्रह सभी से किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र गांव करने कहा कि अयोध्या जी से ले गए पूजित अक्षत को बोकारो के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा जिला केंद्र से प्रखंड एवं पंचायत केंद्र तक प्रत्येक हिंदू के घर-घर में पहुंचाया जाएगा और इसके साथ निमंत्रण पत्र दिया जाएगा ताकि हर परिवार अपने आप को २२ जनवरी का कार्यक्रम अपना कार्यक्रम समझकर धूमधाम से अपने घर में करें एवं हो सके तो अयोध्या पहुंचकर सहभागी बने।

इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट १५ दिसंबर को यह तय करेगा कि रामलला की तीन मूर्तियों में से किसे गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा. कर्नाटक और राजस्थान से लाई गई दो चट्टानों से तीन मूर्तियां बनाई जा रही हैं. मूर्तियां ९० फीसदी तैयार हैं और उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है. इन तीन मूर्तियों में से सबसे अच्छी मूर्ति का चयन १५ दिसंबर को किया जाएगा और उस मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी. मंदिर का गर्भगृह, चंपत राय ने कहा, मूर्तियां गणेश भट्ट, अरुण योगीराज और सत्यनारायण पांडे द्वारा गढ़ी जा रही हैं.

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने पहले संवाददाताओं से कहा, जनवरी २०२४ के तीसरे सप्ताह में, राम लला की मूर्ति पीएम मोदी के हाथों अपने मूल स्थान पर स्थापित की जाएगी. राम मंदिर की आधारशिला ५ अगस्त, २०२० को पीएम मोदी ने रखी थी.

२.५ लाख परिवारों को श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संघ को सभी अनुषंगी की इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, एकल अभियान, पूर्व सैनिक सेवा परिषद, अधिवक्ता संघ, आरोग्य भारती, भारतीय जनता पार्टी, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, संस्कार भारती, भारतीय मजदूर संघ इत्यादि अन्य अनुसांगिक इकाई सेवा भाव से इस कार्यक्रम में सफल बनाने में तन मन धन से लगेंगे। इसके लिए जिला से लेकर खंड तक तोलिया बनाए जाएंगे जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक या परिवार तक पहुंचाने की कोशिश करेगी। सभा का संचालन बोकारो महानगर कार्यवाह रतन जी कर रहे थे। सभा में विश्व हिंदू परिषद की और से बजरंग दल प्रांत संयोजक दीपक ठाकुर एवं विश्व हिंदू परिषद के विभाग संगठन मंत्री संजय जी एवं अन्य कार्यकर्ता तथा संघ के धन्यवाद विभाग के प्रचारक प्रदीप बाग जी विशेष रूप से उपस्थित थे। संघ के अनुषंगी इकाइयों की भी बड़े पदाधिकारी के साथ-साथ कार्यकर्ता ने इस संबंध में समिति के बैठक में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

महुआ मोइत्रा ने लोकसभा सदस्यता रद्द होने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा सदस्यता छीने जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गौरतलब है कि कैश के बदले सवाल मामले में घिरने और आचार समिति की तरफ से लोकसभा में रिपोर्ट रखे जाने के बाद सदन के अध्यक्ष ने उन्हें निष्कसित कर दिया था। इसी के खिलाफ टीएमसी सांसद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचीं हैं।

गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे हैं। इन्हीं की जांच कर रही संसद की आचार समिति ने लोकसभा में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की थी। बाद में रिपोर्ट के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महुआ को निष्कासित कर दिया।

पैसे लेकर सवाल पूछने का पूरा मामला क्या है?

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे।

लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल ६१ में से लगभग ५० प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा कि आरोप झूठ पर आधारित थे।

आरोप यह भी है कि कारोबारी हीरानंदानी अलग-अलग स्थानों से एवं अधिकतर दुबई से सवाल पूछने के लिए मोइत्रा की लॉगइन आईडी का इस्तेमाल करते थे। इन आरोपों के सामने आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने पूरा मामला आचार समिति के पास भेज दिया था।

आचार समिति में क्या हुआ?

पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले की जांच करने वाले लोकसभा की आचार समिति ने २ नवंबर को पूछताछ की थी। वहीं ९ नवंबर को एक बैठक में भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने रिश्वत लेकर सवाल पूछने के मामले में मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश करते हुए अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। कांग्रेस सांसद परनीत कौर सहित समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था। जबकि विपक्षी दलों से जुड़े समिति के चार सदस्यों ने असहमति नोट प्रस्तुत किए थे। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को 'फिक्स्ड मैच' करार दिया और कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दायर शिकायत के समर्थन में कुछ भी सबूत पेश नहीं किया गया।

अब संसद में रखी गई रिपोर्ट में क्या सामने आया है?

आचार समिति की रिपोर्ट को शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन (४ दिसंबर) कार्यसूची में शामिल किया गया था। रिपोर्ट में न सिर्फ महुआ की सदस्यता निरस्त करने की, बल्कि उनके कृत्यों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए इसकी जांच भी कराने की सिफारिश की गई है।

रिपोर्ट पेश होने के बाद शुक्रवार (८ दिसंबर) को महुआ के खिलाफ निष्कासन प्रस्ताव लाया गया। वहीं लोकसभा में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद सदन ने समिति की सिफारिश के पक्ष में वोट किया जिससे मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म हो गई। हालांकि, विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस फैसले के विरोध जताया।

आरोपों पर महुआ का क्या कहना है?

इससे पहले आचार समिति के सामने खुद महुआ ने स्वीकार किया था कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के पोर्टल से जुड़ी अपनी आईडी-पासवर्ड साझा किए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने पहले एक बयान में अपने पूर्व साथी जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा था कि आरोप झूठ पर आधारित थे।

भुजबल को मराठा आरक्षण को लेकर जान से मारने की धमकियां

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा है कि उनकी जान को खतरा है. उन्हें मराठा आरक्षण को लेकर लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही उन्होंने कहा कि उन्हें मराठा विरोधी के रूप में पेश किया जा रहा है. उन्होंने दावा किया है उन्हें गोली मारकर हत्या की जा सकती है. भुजबल के इस दावे के बाद महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है.

महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने बुधवार को विधानसभा में एक दावा किया. उन्होंने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं. गोली मारकर उनकी हत्या की जा सकती है. विधानसभा में मराठा आरक्षण पर चर्चा के दौरान भुजबल ने कहा कि मेरी जान को खतरा है. मुझे मारने की साजिश रची जा रही है. मराठा आरक्षण को लेकर मेरे रुख के चलते ये सब किया जा रहा है.

उन्होंने यह भी दावा किया कि मराठा आरक्षण के लिए जारी आंदोलन के बीच उन्हें पिछले दो महीनों से अपशब्द कहे जा रहे हैं और धमकियां मिल रही हैं. भुजबल ने कहा कि उन्हें 'मराठा विरोधी' के रूप चित्रित करने और ऐसी छवि बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह मराठा आरक्षण के विरोधी हैं, जो गलत है. बता दें कि भुजबल महाराष्ट्र सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण किया

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में स्थित राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद वे नौसेना दिवस २०२३ पर आयोजित इवेंट में शामिल हुए।

इस दौरान पीएम ने कहा- शिवाजी महाराज समुद्री सुरक्षा के महत्व को जानते थे। उन्हें विश्वास था- जिसने समुद्र पर नियंत्रण कर लिया वह सर्वशक्तिमान है। इसलिए उन्होंने एक शक्तिशाली नौसेना बनाई। उनसे प्रेरणा लेकर आज भारत गुलामी की मानसिकता को छोड़कर आगे बढ़ रहा है।

भारतीय नौसेना अब अपने रैंकों का नाम भारतीय परंपराओं के अनुसार रखेगी। नौसेना अधिकारी जो एपॉलेट पहनते हैं, उसमें भी अब छत्रपति शिवाजी महाराज की झलक दिखेगी। सरकार सशस्त्र बलों में नारी शक्ति की ताकत बढ़ाने पर भी जो दे रही है।

पीएम की स्पीच की बड़ी बातें...

आज 'मेड इन इंडिया' की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। तेजस विमान हो या किसान ड्रोन, णझख सिस्टम हो या फिर चंद्रयान ३, हर जगह, हर सेक्टर में मेड इन इंडिया की धूम है। भारत अपने लिए बड़े लक्ष्य तय कर रहा है और उसे पाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा रहा है। भारत के पास इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक बड़ी ताकत है। ये ताकत १४० करोड़ भारतीयों के विश्वास की है।

ये भारत के इतिहास का वो कालखंड है जो सिर्फ ५-१० साल का नहीं, बल्कि आने वाली सदियों का भविष्य लिखने वाला है। १० वर्ष से भी कम के कालखंड में भारत, दुनिया में १०वें नंबर की आर्थिक ताकत से बढ़कर ५वें नंबर पर पहुंच गया है। अब तीसरे नंबर की आर्थिक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहे है।

आज देश उज्ज्वल भविष्य का रोडमैप तैयार कर रहा है। लोगों ने नकारात्मक राजनीति को खारिज कर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। यह संकल्प हमें विकसित भारत की ओर ले जाएगा, हमारी परंपराओं की ओर ले जाएगा।

नौसेना दिवस के मौके पर इंडियन नेवी के इतिहास को दिखाने के लिए एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें शिवाजी महाराज के समकालीन जहाज के कई मॉडल बनाए गए हैं।

४ दिसंबर को नौसेना दिवस के मौके पर हर साल नेवी एग्जीबिशन का आयोजन होता है। इसमें नौसेना के जहाज, पनडुब्बियां, सबमरीन और एयरक्राफ्ट का ऑपरेशनल परफॉर्मेंस होता है। इसमें आम लोगों को भी शामिल होने की अनुमति होती है, जिससे वे नौसेना की शक्तियों के बारे में जान सकें

दरअसल, सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस २०२३ का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज की समुद्री विरासत को श्रद्धांजलि देता है। जिसे पिछले साल अपनाया गया था, तब पीएम मोदी ने पहले स्वदेशी विमान खछड विक्रांत को नौसेना में शामिल किया था।

पीएम मोदी ने ६ मार्च २०२२ को पुणे नगर निगम के परिसर में भी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था। ९.५ फीट ऊंची यह प्रतिमा १८५० किलोग्राम गनमेटल से बनाई गई थी।

डॉ. मोहन सिंह यादव को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मुख्यमंत्री नियुक्त किया

भोपाल : मोहन यादव को मध्यप्रदेश का नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। उनके नाम की घोषणा बेहद चौंकाने वाली है। मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं और वह शिवराज सरकार में मंत्री थे। मोहन यादव को आरएसएस का बेहद करीबी माने जाते है।

एमपी के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने काफी संघर्ष के बाद राजनीति में मुकाम हासिल किया है। छात्र राजनीति से करियर की शुरुआत करने वाले मोहन यादव बीजेपी के स्थापित नेता हैं। उज्जैन संभाग के बड़े नेताओं में उनकी गिनती होती है।

मोहन यादव २ जुलाई २०२० को शिवराज सिंह चौहान सरकार में कैबिनेट मंत्री बने थे। उनको उच्च शिक्षा मंत्री का कामकाज सौंपा गया था। यादव की छवि हिंदुवादी नेता की रही है। २५ मार्च १९६५ को उज्जैन में जन्में मोहन यादव ने विक्रम यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है।

हाल के २०२३ के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में मोहन यादव ने कांग्रेस उम्मीदवार चेतन प्रेमनारायण यादव के खिलाफ १२,९४१ वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी और उज्जैन दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से एक बार फिर विधायक चुने गए। इस जीत ने विधायक के रूप में उनका लगातार तीसरा कार्यकाल तय किया, जिसमें उन्हें ९५,६९९ वोट मिले।

उज्जैन दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र, जो मालवा उत्तर क्षेत्र का हिस्सा है और उज्जैन लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। २००३ से यह भाजपा के लिए एक गढ़ रहा है।

मनोनीत सीएम मोहन यादव ने कहा, मैं पार्टी का एक छोटा कार्यकर्ता हूं। मैं आप सभी को प्रदेश नेतृत्व और केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। आपके प्यार और समर्थन से मैं अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की कोशिश करूंगा।

जयपुर में भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान राजस्थान के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा अपने डिप्टी दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा, नवनिर्वाचित राज्य विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ।

कहानी तेलंगाना के नए सीएम रेवंत रेड्डी की

एबीव्हीपी से शुरुआत की, टीडीपी छोड़कर कांग्रेस में आए

नई दिल्ली : तेलंगाना में आज कांग्रेस नेता अनुमुला रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उनके साथ १० अन्य कांग्रेस नेता भी मंत्री पद शपथ ली। इससे पहले ३ दिसंबर को आए चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में तेलंगाना में कांग्रेस को जीत मिली थी। कांग्रेस ने ६४ सीटों पर जीत हासिल की थी, वहीं बीआरएस ३९ सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी। आठ सीटों पर भाजपा और छह सीटों एआईएमआईएम ने जीत दर्ज की थी। एक सीट पर भाकपा ने जीत हासिल की थी। राज्य की ११९ सीटों वाली विधानसभा के लिए ३० नवंबर को मतदान हुआ था।

ऐसे में हमें जानना चाहिए कि आखिर कौन हैं रेवंत रेड्डी? उनका सियासी रसूख कितना है? उन्हें सीएम बनाने के कारण हैं?

कौन हैं रेवंत रेड्डी?

वर्तमान में रेवंत रेड्डी तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष के पद पर हैं। उनका जन्म ८ नवंबर १९६७ को अविभाजित आंध्र प्रदेश में नगरकुर्नूल के कोंडारेड्डी पल्ली नामक स्थान पर हुआ था। रेवंत के पिता का नाम अनुमुला नरसिम्हा रेड्डी और माता नाम अनुमुला रामचंद्रम्मा है। उन्होंने हैदराबाद में ए.वी. कॉलेज (ओस्मानिया विश्विद्यालय) से फाइन आर्ट्स में ग्रेजुएशन की पढ़ाई की। इसके बाद रेवंत ने एक प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत की।

७ मई १९९२ को रेवंत ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री जयपाल रेड्डी की भतीजी गीता से शादी कर ली। हालांकि, शुरुआत में करियर के चुनाव की वजह से परिवार वाले इस रिश्ते के खिलाफ हो गए थे। बाद में परिवार वाले माने और उन्होंने गीता के साथ वैवाहिक रिश्ते की शुरुआत की। उनकी एक बेटी है, जिसका नाम न्यामिषा है।

शादी के बाद सांसद रेवंत के सियासी सफर का आगाज होता है, जिसकी कहानी भी दिलचस्प है। छात्र जीवन के दौरान वह आरएसएस के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े हुए थे। उन्होंने २००६ में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी स्थानीय निकाय का चुनाव लड़ा और मिडजिल मंडल से जिला परिषद क्षेत्रीय के सदस्य चुने गए।

इसके बाद २००७ में निर्दलीय ही आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बन गए। इस कार्यकाल के दौरान उनकी मुलाकात तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू से हुई और आखिरकार वह पार्टी का हिस्सा बन गए। २००९ में रेवंत ने टीडीपी के पर अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ा और ६,९८९ वोटों से जीत दर्ज की। कोडंगल सीट से उतरे रेवंत कांग्रेस के पांच बार के विधायक गुरुनाथ रेड्डी को हराकर पहली बार विधायक बने थे।

तेलंगाना गठन से पहले २०१४ में हुए विधानसभा चुनाव में रेवंत एक बार फिर कोडंगल सीट टीडीपी के उम्मीदवार बने। एक बार फिर उन्होंने गुरुनाथ रेड्डी को हराया, जो इस बार टीआरएस के उम्मीदवार थे। २०१४ के विधानसभा चुनाव में रेवंत १४,६१४ वोटों के अंतर से विजयी हुए थे। इसके बाद टीडीपी ने रेवंत को तेलंगाना विधानसभा में नेता सदन बनाया दिया। हालांकि, २५ अक्तूबर में टीडीपी ने रेवंत को इस पद से बर्खास्त कर दिया, जब पता चला कि वह कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं। अंततः ३१ अक्तूबर २०१७ को रेवंत कांग्रेस के सदस्य बन गए।

२० सितंबर २०१८ को, उन्हें तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के तीन कार्यकारी अध्यक्षों में से नियुक्त किया गया। वहीं २०१८ के तेलंगाना विधानसभा में रेवंत तीसरी बार कोडंगल सीट से चुनाव मैदान में उतरे। इस बार कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने वाले रेवंत को बीआरएस के पटनाम नरेंदर रेड्डी के हाथों पहली हार मिली।

विधानसभा की हार के बाद रेवंत ने २०१९ चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई। रेवंत तेलंगाना में कांग्रेस के उन तीन लोकसभा सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने २०१९ में चुनाव जीता था। मल्काजगिरि सीट से उतरे कांग्रेस उम्मीदवार ने टीआरएस के एम राजशेखर रेड्डी को करीबी मुकाबले में १० हजार से ज्यादा मतों से हराया। जून २०२१ में को बड़ी जिम्मेदारी मिली, जब कांग्रेस ने उन्हें अपनी तेलंगना प्रदेश इकाई का अध्यक्ष बना दिया। इस विधानसभा चुनाव में रेवंत तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के सामने चुनाव लड़े। यह मुकाबला कामारेड्डी विधानसभा सीट पर था। यहां रेवंत और केसीआर दोनों को भाजपा उम्मीदवार से हार झेलनी हालांकि, रेवंत ने दूसरी सीट कोडांगल से चुनाव जीत लिया।

विवादों से भी नाता

मई २०१५ में रेवंत विवादों में आए गए थे, जब तेलंगाना की अपराध निरोधक शाखा (एसीबी) ने उन्हें रिश्वत देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। उनके खिलाफ मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को विधान चुनाव में टीडीपी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान से जुड़े एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद यह कार्रवाई हुई थी। ३० जून को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने इस मामले में रेवंत को सशर्त जमानत दे दी। पिछले महीने ही तेलंगाना पुलिस ने रेवंत रेड्डी को गिरफ्तार किया था। हैदराबाद गन में चुनाव आचार संहिता के उललंघन के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले उन्होंने सीएम को चुनौती भी दी थी।

चुनाव जीतने के बाद भाजपा विधायक बोले-

बिना भेदभाव होगा विकास, क्षेत्र की जनता का जताया आभार

भाजपा कार्यालय में हुई प्रकारवार्ता मे विधायक लखनलाल देवांगण और अन्य

कोरबा : कोरबा में विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन ने पत्रकारों से कहा कि चुनाव के बाद क्षेत्र की सभी जनता उनके लिए समान है और विकास कार्य की गाथा बगैर भेदभाव के लिखी जाएगी। सभी ने समर्थन दिया। इस वजह से किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा। इस मौके पर कटघोरा विधायक ने कि कटघोरा को जिला बनाने का प्रयास करते हुए अतिक्रमणकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में सबसे पहले जिलाध्यक्ष डॉ.राजीव सिंह ने कहा कि भाजपा के दो विधायक चुनाव में जीत दर्ज करने में सफल हुए हैं इसका श्रेय कार्यकर्ताओं सहित आम लोगों जाता इसके बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए शहर विधायक लखन लाल देवांगन ने दोहराया कि चुनाव में जीत दर्ज हो चुकी है। अब उनका पूरा ध्यान शहर के विकास के लिए रहेगा। घोषणा पत्र में जो वायदे किए गए हैं उसका शत प्रतिशत क्रियान्वयन करने की दिशा में कार्य जाएगा। मसलन राखड़, जाम की स्थिति, सड़कों का निर्माण पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र की जनता ने धन बल को परास्त करते हुए जनबल का सहयोग किया।

विधायक लखनलाल देवांगन ने कहा कि कांग्रेसियों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम की ओर भी ध्यान नहीं दिया, इस से विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र से उन्हें भरपूर समर्थन मिला जिसके लिए सभी का आभार। मंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसका निर्णय हाईकमान द्वारा किया जाएगा। इसके पूर्व में कभी भी मेरे द्वारा किसी भी पद की मांग नहीं की गई। पार्टी ने खुद ही उन्हें कार्य सौंपा है। इस बार भी कुछ इसी तरह के महत्वपूर्ण पद मिलने की संभावना है।

प्रेसवार्ता में मौजूद कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने भी कटघोरा क्षेत्र की जनता जर्नादन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कटघोरा शहर में काफी मात्रा में जमीन का अधिग्रहण हुआ है। इसे आगामी दिनों में तोड़-फोड़ का अभियान चलाया जाएगा। इसी तरह क्षेत्र की प्रमुख सड़कों के त्वरित निर्माण के लिए एसईसीएल के अधिकारियों से मुलाकात कर

आयुष उद्यमिता प्राथमिकता वाला क्षेत्र

नई दिल्ली : केंद्रीय आयुष और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय आरोग्य मेले में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहा कि वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव प्रगति का एक प्रतीक है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वैश्विक मंच पर आयुर्वेद की ताकत को प्रदर्शित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष क्षेत्र में चिकित्सकों और हितधारकों को इनोवेशन और सहयोग की भावना को अपनाना चाहिए।

वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव का आयोजन १ से ५ दिसंबर तक केरल के तिरुवनंतपुरम में सीआईएसएसए - सेंटर फॉर इनोवेशन इन साइंस एंड सोशल एक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। महोत्सव में दुनिया भर से शोधकर्ता, गणमान्य व्यक्ति और आयुर्वेद बिरादरी के लोग उपस्थित होंगे। श्री सोनोवाल ने श्री वी. मुरलीधरन, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री, वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष और आयुष मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय आरोग्य मेले का उद्घाटन किया। मेले का आयोजन वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव और आरोग्य एक्सपो के साथ किया जा रहा है। श्री सोनोवाल ने प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उन्नति के बीच के अंतर को पाटने वाली पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

आयुष मंत्री ने आयुष क्षेत्र के चिकित्सकों और हितधारकों से इनोवेशन और सहयोग की भावना को अपनाने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि सरकार आयुष क्षेत्र में अन्य देशों में निवेश करने के इच्छुक लोगों को भी सुविधा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि आयुष क्षेत्र में उद्यमिता विकसित करना भारत सरकार द्वारा चिन्हित एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है और युवा उद्यमियों के लिए आयुष क्षेत्र में स्टार्टअप स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन ने उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में भारत की पारंपरिक चिकित्सा, विशेष रूप से आयुर्वेद की शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नीति आयोग का हालिया अध्ययन हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की मजबूती को रेखांकित करता है। आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव को संबोधित किया और भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मानकों को ऊपर उठाने, आयुर्वेदिक शिक्षा में उपलब्धियों पर जोर दिया। उन्होंने इसमें समर्पित एनसीआईएम टीम को उनके पूरे दिल से किए गए प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य में प्रभावशाली विकास पर प्रकाश डाला। देश भर में १३७ अस्पतालों के निर्माण या प्रगति के साथ, आयुष केंद्र कई जिलों में फल-फूल रहे हैं। उन्होंने वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने, महत्वपूर्ण नैदानिक परीक्षण आयोजित करने और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहने के लिए आयुष मंत्रालय के तहत अनुसंधान परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से अध्ययन में सक्रिय रूप से संलग्न रहने के लिए सीसीआरएएस की टीम की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) के लाभार्थियों से बातचीत की। सरकार की प्रमुख योजनाओं को सभी तक पहुंचाने के लिए देश भर में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रत्येक गांव में 'मोदी की गारंटी' वाहन को लेकर देखे जा रहे उल्लेखनीय उत्साह का उल्लेख किया। कुछ देर पहले लाभार्थियों के साथ अपनी परस्पर बातचीत का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि इस यात्रा के दौरान १.५ लाख से अधिक लाभार्थियों ने अपने अनुभव दर्ज कराए हैं। उन्होंने पक्का मकान, नल जल कनेक्शन, शौचालय, निःशुल्क इलाज, निःशुल्क राशन, गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, बैंक खाता खुलवाने, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, पीएम स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री स्वामित्व संपत्ति कार्ड के तहत मिलने वाले लाभ आदि का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि देश भर के गांवों में करोड़ों परिवारों को किसी सरकारी कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाए बिना सरकार की किसी न किसी योजना का लाभ मिला है। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार ने लाभार्थियों की पहचान की और फिर उन तक लाभ पहुंचाने के लिए कदम उठाए। उन्होंने कहा, इसलिए लोग कहते हैं, मोदी की गारंटी का मतलब पूरी होने की गारंटी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत संकल्प यात्रा उन लोगों तक पहुंचने का एक बड़ा माध्यम बन गई है जो अब तक सरकारी योजनाओं से नहीं जुड़ पाए हैं। उन्होंने बताया कि वीबीएसवाई की यात्रा एक महीने से भी कम समय में ४० हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों और कई शहरों तक पहुंच चुकी है, जहां १.२५ करोड़ से अधिक लोग 'मोदी की गारंटी' वाहन से जुड़ चुके हैं। उन्होंने 'मोदी की गारंटी' वाहन का स्वागत करने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम शुरू होने से पहले होने वाले कई कार्यकलापों जैसे- चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान, जागरूकता पैदा करने के लिए निकाली जा रही प्रभात फेरी, स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान विकसित भारत पर बच्चों की चर्चा, बनाई जा रही रंगोली और प्रत्येक घर के द्वार पर जलाए जा रहे दीपों का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पंचायतों ने विशेष समितियों का गठन किया है और वीबीएसवाई के स्वागत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ-साथ बुजुर्गों की भागीदारी की भी सराहना की और संतोष व्यक्त किया कि वीबीएसवाई देश के हर कोने तक पहुंच रही है। प्रधानमंत्री ने गौर किया कि ओडिशा में विभिन्न स्थानों पर पारंपरिक जनजातीय नृत्य के साथ यात्रा का स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने पश्चिम खासी हिल के रामबराई में कार्यक्रम का उल्लेख किया जहां स्थानीय लोगों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्य का आयोजन किया था। उन्होंने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और कारगिल में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया, जहां वीबीएसवाई के स्वागत के लिए ४,००० से अधिक लोग मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने एक पुस्तिका तैयार करने का सुझाव दिया जहां कार्यों को सूचीबद्ध किया जा सके और वीबीएसवाई के आने से पहले और बाद की प्रगति का अनुमान लगाया जा सके। उन्होंने कहा, इससे उन क्षेत्रों के लोगों को भी सहायता मिलेगी जहां यह गारंटीशुदा वाहन अभी तक नहीं पहुंच पाया है।

प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयास को रेखांकित किया कि 'मोदी की गारंटी' वाहन आने पर गांव का प्रत्येक व्यक्ति उस तक अवश्य पहुंचे जिससे कि सरकारी योजनाओं के लाभ को सभी तक पहुंचाने का संकल्प पूरा किया जा सके। यह देखते हुए कि सरकार के प्रयासों का प्रभाव प्रत्येक गांव में देखा जा सकता है, श्री मोदी ने बताया कि लगभग १ लाख नए लाभार्थियों ने उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है, ३५ लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड भी इस अवसर पर उपलब्ध कराए गए हैं, लाखों लोगों का हेल्थ चेकअप किया जा रहा है और बड़ी संख्या में लोग अब विभिन्न परीक्षणों के लिए आयुष्मान आरोग्य शिविरों तक जा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा, हमने केंद्र सरकार और देश के लोगों के बीच एक सीधा संबंध, एक भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया है। उन्होंने यह भी कहा, हमारी सरकार कोई माई-बाप सरकार नहीं है, बल्कि यह माताओं-पिताओं की सेवा करने वाली सरकार है।

न प्रोग्राम, ना नेता...

राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ में भाजपा को मिली जीत के सभी कारण लोगों को अब तक ज्ञात हो गए हैं। मोदी जी का करिश्माई नेतृत्व, भाजपा का संगठन, कार्यकर्ताओं की जिद, ध्येयनिष्ठा, केंद्र सरकार ने किए हुए काम, काँग्रेस तथा अन्य विपक्षों के बारे में अविश्वास ऐसे कई कारण हैं इस जीत के। एक जमाने में पूरे देश पर राज करने वाली काँग्रेस पार्टी बार-बार क्यों हारती जा रही है, यह समझ लेना जरुरी हो गया है। काँग्रेस के पतन में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक नेतृत्व संकट है। देश तथा राज्यों के स्तर पर मजबूत और करिश्माई नेता को पेश करने में पार्टी की असमर्थता ने अक्सर उसे भाजपा के खिलाफ नुकसान में डाल दिया है। इतनी सारी हारों के बावजूद काँग्रेस की आंतरिक गुटबाजी खत्म नहीं हुई है। अब भी ऐसे झगड़ों से यह पार्टी जूझ रही है। प्रमुख नेताओं के बीच अंदरूनी कलह से पार्टी की एकजुटता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एकता की इस कमी ने न केवल पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को कमजोर किया है, बल्कि मतदाताओं के बीच असमंजस की छवि भी बनाई है। राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खडगे या और कोई विपक्ष नेता मोदी जी के नेतृत्व को चैलेंज दे नहीं पाया। भाजपा की चुनाव मशीनरी ने अभियानों को तैयार करने और उन्हें क्रियान्वित करने में लगातार रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया है। सोशल मीडिया का लाभ उठाने से लेकर जमीनी स्तर तक पहुंच बनाने तक, भाजपा प्रभावी ढंग से मतदाताओं से जुड़ी है। और एक खास बात है कि काँग्रेस के पास भाजपा या मोदी जी के विरोध के अलावा दूसरा कोई प्रोग्राम नहीं है। इसके विपरीत, भाजपा की प्रतिमा विकास करने वाली पार्टी के रूप में बनी है। विकास और सुशासन पर भाजपा के जोर का मतदाताओं पर अच्छा प्रभाव पड़ा है। ठोस प्रगति और ढांचागत विकास परियोजनाओं को प्रदर्शित करने की पार्टी की क्षमता कांग्रेस के स्पष्ट एजेंडे की कथित कमी के बिल्कुल विपरीत है। भाजपा की वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्रवादी एजेंडे के प्रति प्रतिबद्धता ने मतदाताओं के एक महत्वपूर्ण वर्ग को आकर्षित किया है। इसके विपरीत, वैचारिक स्पष्टता की कमी के साथ, काँग्रेस बार-बार मूंह की खा रही है। भाजपा ने विभिन्न राज्यों में मतदाताओं की विशिष्ट आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप अपने संदेश और नीतियों को तैयार करने में दक्षता दिखाई है, जिससे उसे महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। समर्पित कार्यकर्ताओं के व्यापक नेटवर्क द्वारा समर्थित भाजपा के मजबूत जमीनी स्तर के जुड़ाव ने समर्थन का व्यापक आधार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके विपरीत, काँग्रेस का जमीन से जो रिश्ता था, वह कबका खत्म हो चुका है। एक जमाने में काँग्रेस में कार्यकर्ता ज्यादा और नेता कम थे। अब काँग्रेस में कार्यकर्ता गिनेचुने और नेता ही नेता दिखाई देते हैं जो आपस में झगड़ने में पार्टी की सेवा का सुख प्राप्त करते है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में एक बात साफ हो गई है कि मतदाताओं का भाजपा तथा मोदीजी पर विश्वास है। इंडिया नामक अलाएन्स भाजपा के विरोध में बनाने का काम चल तो रहा है। लेकिन ऐसा दिखता है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले ही इंडिया नामक गठबंधन में दरारे पड़ जाएगी। क्योंकि इस गठबंधन में प्रमुखता से वही पार्टियां सहभागी होती दिखती है, जो किसी भी तरह से सत्ता में लौटना चाहती है या सत्ता में बनी रहना चाहती है। इसलिए इन पार्टियों से कोई ज्यादा उम्मीद नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में चुनाव होते हैं, बदलाव भी होते हैं। लेकिन जब विश्वसनीय विकल्प के रूप में विपक्ष को लोकमान्यता प्राप्त करनी होगी। उसके लिए प्रोग्राम और नेतृत्व देना होगा, जो कि नदारद है।

विकास एवं विश्वास की जीत

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम आ गए है। यह चुनाव भाजपा तथा विपक्ष दलों के लिए इसलिए महत्त्वपूर्ण थे कि अगले साल लोकसभा के चुनाव होने वाले है। यह बारीकी से देखा जा रहा था कि प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी जी का करिश्मा राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ में दिखेगा या नहीं, क्योंकि लोकसभा चुनाव के लिए हिंदी बेल्ट के यह महत्त्वपूर्ण राज्य हैं। तेलंगाना में काँग्रेस को जीत मिली।

मिजोरम में झेडपीएम का उदय हुआ है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने सिंपल मेजॉरिटी से आगे बहुत बड़ी जीत हासिल की है जो असंभव माना जा रहा था। कहा जा रहा था कि मध्य प्रदेश में कांटे की टक्कर होगी। छत्तीसगढ में भी भाजपा की तगडी जीत हुई। शुरुआत से ही इस राज्य के परिणाम भाजपा की अपेक्षा के विपरीत जाने की बात कही जा रही थी। राजस्थान में भाजपा को उम्मीद थी जो खरी साबित हुई। अब इन पांच राज्यों के परिणामों को लोकसभा की नजर से देखिए। मिजोरम में लोकसभा की केवल १ सीट है। तेलंगाना में १७ सीटें हैं। मध्य प्रदेश में २९, राजस्थान में २५, और छत्तीसगढ़ में लोकसभा की ११ सीटें हैं जिनको कुल मिलाकर ६५ होता है। पिछले साल उत्तर प्रदेश में भाजपा ने विधानसभा चुनाव जीता।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की ८० सीटें हैं। अन्य राज्यों का विचार भी करना होगा। पूरे हिंदी बेल्ट की बात की जाए तो लोकसभा जीतने के लिए इस बेल्ट का महत्त्व समझ में आता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि इन विधानसभा चुनाव के परिणामों ने भाजपा को आश्वस्त किया है कि अब जात-धर्म पर नहीं बल्कि विकास तथा विश्वास पर राजनीति होगी, मतदान होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के रूप में श्री. नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी लोकप्रियता और नेतृत्व शैली अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा भाजपा अपने मजबूत संगठनात्मक ढांचे और कैडर-आधारित दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है। जमीनी स्तर पर प्रचार, मतदाता पहुंच और चुनाव प्रबंधन के लिए अपने कैडर को जुटाने की पार्टी की क्षमता चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। विकास और आर्थिक वृद्धि पर भाजपा का जोर उसकी चुनावी रणनीति का एक प्रमुख पहलू रहा। पार्टी बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक प्रगति की नीतियों को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है।

राज्यों के चुनावों में स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दे भी अहम भूमिका निभाते हैं। स्थानीय विषय-समस्याओं को संबोधित करने, कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने और प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने काम किया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ और राजस्थान में उसका असर दिखा है।

भाजपा ने आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत को प्रगति की ओर ले जाने के लिए विभिन्न नीतियों और पहलों को लागू किया। भाजपा ने अपने विकास एजेंडे के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में बुनियादी ढांचे के विकास को लगातार प्राथमिकता दी है। गाँव-शहर, सीमा, दूरदराज की बस्तियां सभी तरफ भाजपा का ध्यान हैं। सबका साथ, सबका विकास भाजपा का सूत्र है। उसी के साथ सबका विश्वास भी पार्टी ने प्राप्त किया है। इसलिए यह जीत विकास तथा विश्वास की है।

अनुसंधान और नवोन्मेषण विकास में महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति

नई दिल्ली : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने (२०२३) महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के १११ वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि अनुसंधान और नवोन्मेषण किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा ६० से अधिक पेटेंट प्रदान किए गए हैं। छात्रों के बीच स्टार्ट-अप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय में एक इन्क्यूबेशन सेंटर है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान और नवोन्मेषण करने तथा उन नवोन्मेषणों को लागू करने का भी आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज पूरा विश्व एक वैश्विक गांव है। कोई भी संस्था दुनिया से कटी नहीं रह सकती। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से अंतर-विषयक अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अनुसंधान और नवोन्मेषण को एक-दूसरे के साथ साझा करके ही हम दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

प्रौद्योगिकी के उपयोग की चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संसाधन का उपयोग या दुरुपयोग किया जा सकता है। यही तथ्य प्रौद्योगिकी के साथ भी लागू होता है। यदि हम इसका सदुपयोग करें तो यह देश और समाज के लिए लाभदायक होगा और यदि हम इसका दुरुपयोग करेंगे तो यह मानवता के लिए हानिकारक होगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हमारे जीवन को सुगम बना रहा है। लेकिन

डीपफेक के लिए इसका इस्तेमाल समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा हमें रास्ता दिखा सकती है।

छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि औपचारिक डिग्री प्राप्त करना शिक्षा का अंत नहीं है। उन्हें जिज्ञासु रहना चाहिए और सीखते रहना चाहिए। आज जब प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं तो लगातार सीखते रहना और भी आवश्यक हो जाता है।

राष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि वे देश और समाज की परिसंपत्ति हैं। भारत का भविष्य उनके कंधों पर है। इनके जीवन में विपरीत परिस्थितियां आ सकती हैं, लेकिन इन्हें इनसे भयभीत नहीं होना चाहिए। उन्होंने उन्हें अपने ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ उन परिस्थितियों का सामना करने, अपने प्रियजनों के साथ जुड़े रहने और अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की सलाह दी।

सबसे अधिक कोयला डिस्पैच

नई दिल्लीः नवंबर २०२३ के दौरान कैप्टिव/वाणिज्यिक कोयला खदानों से कोयला उत्पादन नवंबर २०२२ के ८.७४ मीट्रिक टन की तुलना में ३७ प्रतिशत की वृद्धि के साथ ११.९४ मिलियन टन (एमटी) पहुंच गया। वहीं, नवंबर २०२३ के दौरान कैप्टिव/वाणिज्यिक कोयला खदानों से कोयला डिस्पैच पिछले वर्ष के ८.३६ मीट्रिक टन की तुलना में ५५ प्रतिशत की वृद्धि के साथ १२.९२ मीट्रिक टन हुआ। नवंबर २०२३ में ऐसी खदानों से औसत दैनिक कोयला डिस्पैच प्रति दिन ४.३ लाख टन के साथ अब तक का सर्वाधिक है।

अप्रैल से नवंबर २०२३ की अवधि के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों से कोयला उत्पादन और डिस्पैच में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। १ अप्रैल, २०२३ से ३० नवंबर, २०२३ की अवधि के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों से कुल कोयला उत्पादन लगभग ८३.९० मीट्रिक टन था, जबकि कुल कोयला डिस्पैच ८९.६७ मीट्रिक टन था, जो वित्त वर्ष २०२२-२३ की समान अवधि की तुलना में क्रमशः २४ प्रतिशत और ३१ प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कोयला उत्पादन में सबसे अधिक वृद्धि गैर-विनियमित सेक्टर और वाणिज्यिक कोयला खदानों से हुई, जिसमें क्रमशः १०१ प्रतिशत और ९८ प्रतिशत की बढोतरी हुई।

लक्षित कोयला उत्पादन और डिस्पैच अर्जित करने के लिए मंत्रालय प्रतिबद्ध है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

३० की शक्ति भारत को प्रेरित कर रही है : गोयल

नई दिल्ली : ३० वर्ष से कम उम्र की आबादी के प्रयासों के साथ ३० वर्षों से कम समय में अर्थव्यवस्था में ३० ट्रिलियन डॉलर जोड़ने का हमारा सपना है। यह बात केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के बहरीन चैप्टर को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत निवेशकों के लिए वैश्विक रूप से एक उज्ज्वल स्थान है, जहां हमारा बाजार पूंजीकरण दो दिन पहले ही ४ ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

भारत विश्व के साथ आत्मविश्वास और अद्वितीय, अदम्य आत्मविश्वास की भावना के साथ सहयोग कर रहा है, न कि अहंकार के साथ। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जहां बंदरगाह क्षमता १० वर्षों में दोगुनी हो गई है, जहां हवाई अड्डे के कार्यात्मक वाणिज्यिक हवाई अड्डे पिछले नौ वर्षों में ७४ से दोगुना होकर १५० हो गए हैं, और अगले पांच वर्षों में बढ़कर २२५ होने की उम्मीद है, जहां आधुनिक उच्च गुणवत्ता वाले रेलवे और राजमार्गों के बड़े नेटवर्क की सहायता के लिए १४० नए अंतर्देशीय जलमार्ग शुरू किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जो सुंदर अवसंरचना हम दुनिया के अन्य हिस्सों में देखते हैं, उसका निर्माण अब भारत में भी किया जा रहा है। उन्होंने दर्शकों से दिल्ली आकर कुछ समय व्यतीत करने और नए संसद भवन का अवलोकन करने या भारत मंडपम का दौरा करने का भी आग्रह किया, जहां उच्च गुणवत्ता की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने उनसे एक समृद्ध, जीवंत अर्थव्यवस्था, एक ऐसी प्रणाली का साक्षी बनने को कहा, जो भारत के लोगों का ध्यान रख रही है और उन्हें अच्छा भविष्य, जीवन की गुणवत्ता के साथ जीवन जीने के अवसरों में सुगमता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज ५जी थ्रस्ट - ग्रोथ, गुड गवर्नेंस, ग्रिट, जेनुइन ट्रस्ट और ग्रीन टेक्नोलॉजी में सबसे आगे है - जो स्थिरता को दर्शाती हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट बहरीन में भारतीयों का सबसे बड़ा संगठित पेशेवर निकाय है, जिसमें ४५० से अधिक सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि वे उच्च सत्यनिष्ठा, उच्च नैतिकता और कड़ी मेहनत के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ बहरीन की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट विश्व भर में और बहरीन में भारत के राजदूत हैं।

उन्होंने उनके द्वारा किए जा रहे अद्भुत काम और विचारों के साथ उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि बहरीन में हमारे राजदूत के रूप में, वे अपनी प्रतिबद्धता, समर्पण, अखंडता, कड़ी मेहनत और निष्ठा से भारत को गौरवान्वित करते हैं। उन्होंने नेतृत्व, स्थिरता, भू-राजनीति, मानव क्षमता, स्वस्थ जीवन - जो चीजें समसामयिक हैं और जो चीजें आवश्यक हैं, पर चर्चा आयोजित करने के लिए उनकी सराहना की।

इंदौर के क्लाइमेट एक्शन को दुबई सीओपी-२८ में दुनिया के सामने पेश किया

इंदौर : महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने दुबई में सीओपी-२८ के लोकल क्लाइमेट एक्शन समिट में सबनेशनल क्लाइमेट एक्शन लीडर्स एक्सचेंज जलवायु परिवर्तन के बुरे असर से बचाव के लिए बहुस्तरीय प्रयास विषय पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित किया।

पुष्यमित्र भार्गव के अनुसार, चर्चा के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने बहुस्तरीय साझेदारियों और क्लाइमेट एक्शन में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। मैंने इस चर्चा में बताया कि कैसे स्वच्छता और जल प्रबंधन में भारत का नंबर वन शहर इंदौर युनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएएआईडी) के सहयोग से जल रहे क्लीन एयर कैटलिस्ट प्रोग्राम के जरिये देश में वायु गुणवत्ता सुधार में उल्लेखनीय काम कर रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए इंदौर ने स्थायी समाधानों का योगदान देते हुए पहले से ही एक स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

क्लाइमेट ग्रुप की सीईओ हेलेन क्लार्कसन इस पैनल चर्चा की

मॉडरेटर थीं। पैनल में महापौर भार्गव के अलावा टोक्यो के गवर्नर युरिको कोइके; हेल्डर बारबाल्हो, पारा, ब्राज़ील, पौरिसियो कुरी गैंज़ाएज़, गवर्नर, क्रेरेटारो, मेक्सिको, हेरुबुडी हार्टोनो, कार्यवाहक गवर्नर, जकार्ता, इंडोनेशिया, और लियान एम.रैंडोल्फ, अध्यक्ष, कैलिफोर्निया रिसोर्सेज बोर्ड शामिल थे।

पैनल का लक्ष्य यह समझाना था कि अगले १-२ वर्षों में SC-LE कहाँ जा रहा है, शहरों में स्थानीय स्तर पर चल रहे काम, घोषणाओं और उपलब्धियों को दुनिया के सामने लाना और यह बताना कि इन प्रयासों में SC-LE कैसे अपना योगदान दे सकता है।

COP२८ प्रेसीडेंसी और ब्लूमबर्ग फ़िलैंथ्रोपीज़ द्वारा आयोजित स्थानीय जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन (लोकल क्लाइमेट एक्शन समिट) ने सब-नेशनल क्लाइमेट लीडर्स - महापौर, गवर्नर, व्यवसाइयों, गैर-सरकारी संगठनों को एक मंच लाया। ये सब विभिन्न देशों की सरकारों को कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद करने में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं और रहेंगे ताकि नेट-ज़ीरो टारगेट हासिल हो सकें। इस सत्र के दौरान SC-LE साझेदारी के पहले वर्ष पर एक अपडेट प्रदान किया, जिसमें पहले SC-LE एक्सेलरेटर: लोअरिंग ऑर्गेनिक वेस्ट मीथेन इनिशिएटिव (LOW-M²) के लॉन्च पर मुख्य ध्यान दिया गया।

अर्थव्यवस्था सशक्त बनाने वाले अवसंरचना पर ध्यान : गोयल

नई दिल्ली : केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल ने तीसरे भारत ऋण पूंजी बाजार शिखर सम्मेलन २०२३ के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अवसंरचना पर भारत का ध्यान अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है तथा इसे और अधिक गति प्रदान कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अवसंरचना की दिशा में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों से व्यापक स्तर पर निवेश देश की ढांचागत क्षमताओं को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तपोषण का प्रतिस्पर्धी स्रोत उन लोगों से निवेश आकर्षित कर रहा है जो अधिक सुरक्षा की खोज में हैं। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार भी पहली बार ४ ट्रिलियन का आंकड़ा छू रहा है और शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में से एक होने के कारण भारत के पास बड़े अवसर हैं। उन्होंने बताया कि देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस तिमाही में ७.६ प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। श्री गोयल ने यह उल्लेख करते हुए कि भारत दुनिया के एक विश्वसनीय भागीदार और एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में बहुत उज्ज्वल भविष्य के शिखर पर खड़ा है जहां लोग कानून के शासन को स्वीकार करते हैं और उसका सम्मान करते हैं, कहा, विश्व आज भारत पर भरोसा करता है।

श्री गोयल ने कहा कि अमृत काल में हम एक विकसित भारत का स्वप्न देखते हैं जहां हम विकसित और समृद्ध भारत की दिशा में अपनी यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत २०४७ तक अपने ३.७ ट्रिलियन डॉलर में ३० ट्रिलियन डॉलर और जोड़ लेगा।

श्री गोयल ने कहा कि एक लचीला ऋण पूंजी बाजार नवोन्मेषण, उद्यमिता और अवसंरचना के विकास के लिए उत्प्रेरक होगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दशकों में व्यापक स्तर पर शहरीकरण होगा, जबकि श्रेणी २ शहर भी महानगर बनने जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की आय बढ़ रही है, जिससे देश भर में व्यय करने की शक्ति बढ़ रही है। एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन जैसे भविष्य के सेक्टर हमारे भविष्य को शक्ति प्रदान करेंगे। हरित और टिकाऊ ऊर्जा ही भविष्य का रास्ता होगी और पूंजी बाजार तथा ऋण बाजार हमारी ऊर्जा को निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था में रूपान्तरित करने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। श्री गोयल ने कॉर्पोरेट जगत से खोने के डर के बिना भारत में निवेश करने का आग्रह किया।

श्री गोयल ने कहा कि २०१० और २०१३ के बीच, निर्बल आर्थिक बुनियादी सिद्धांत थे, २०१३ में विदेशी मुद्रा संकट और एफसीएनआर बांड विदेशी मुद्रा उधार पर काफी अधिक ब्याज दर का भुगतान करते हुए जुटाए गए थे, मुद्रास्फीति १० प्रतिशत से १२ प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी रहती थी, बैंक ऋण अतार्किक रूप से बढ़ रहे थे, राजकोषीय घाटा अधिक था। तभी २०१४ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता संभाली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का अधिक ध्यान व्यापार करने में सुगमता और अनुपालन बोझ को कम करने, कई कानूनों को अपराधमुक्त करने, कुछ अनावश्यक कानूनों को सांविधिक पुस्तकों से हटाने पर रहा है। उन्होंने कहा, यह एक समग्र योजना थी, जिसने भारत को पिछले १० वर्षों में अपने विदेशी मुद्रा भंडार को दोगुना करने में मदद की। यह उस तरह का संकट है जैसा २०१३ में देखा गया था।

श्री गोयल ने कहा कि भारत वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को २०२१ के ५०० बिलियन से लगभग ५५ प्रतिशत बढ़ाकर पिछले वर्ष ७७६ बिलियन करने में सक्षम रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में दो संघर्ष चल रहे हैं और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आशंका है। उन्होंने कहा कि फिर भी उन्हें चालू वर्ष में निर्यात संख्या में वृद्धि का भरोसा है।

६०० करोड़ क्लब में शामिल हुई 'एनिमल'

मुंबई : रणबीर कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना स्टारर एनिमल ने वर्ल्डवाइड ओपनिंग करते हुए दुनिया भर में ९० करोड़ से ज्यादा की कमाई कर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। पहले हफ्ते में ही फिल्म ने ५६३.३ करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस कर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। लेकिन एनिमल की रफ़्तार यहीं ख़त्म नहीं होती। फिल्म ने दूसरे हफ्ते भी दमदार बिजनेस शुरू किया है।

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित एनिमल अपनी रिलीज के बाद से ही चर्चा में है। फिल्म के सीन और डायलॉग्स फिल्म को चर्चा में बनाए रखते हैं। एनिमल को बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों समीक्षाएँ मिलीं। फिल्म को स्त्रीद्वेष और हिंसा से भरपूर बताया गया है। लेकिन तमाम आलोचनाओं को पार करते हुए फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म ने अब वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ संजू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

एनिमल फिल्म ने अपने ८वें दिन दुनियाभर में ६०० करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर ६००.६७ करोड़ रुपये की कमाई की है। इस कलेक्शन के साथ एनिमल ने संजू को पीछे छोड़ दिया है जिसने दुनिया भर में ५८७ करोड़ की कमाई की थी। इससे पहले यह फिल्म ब्रह्मास्त्र, चेन्नई एक्सप्रेस, सिंबा जैसी कई हिट फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। एनिमल ने गदर २, पठान, जवान और दंगल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रश्मिका की 'एनिमल' पर सेंसर की कैंची

एक्टर रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। अब इस संबंध में नई जानकारी सामने आई है। सेंसर बोर्ड ने रणबीर-रश्मिका की फिल्म 'एनिमल' में इंटिमेट सीन्स पर नाराजगी जताई है। फिल्म में रणबीर और रश्मिका के बीच कई किसिंग सीन हैं, जिस पर सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई है। सेंसर ने फिल्म 'एनिमल' को 'ए' सर्टिफिकेट देने के साथ ही कुछ सीन हटाने का निर्देश दिया है। रणबीर-रश्मिका के क्लोजअप सीन समेत कई डायलॉग्स को भी हटाने के लिए कहा गया है और कुछ शब्द भी बदले गए हैं।

रश्मिका शुरू करेगी 'पुष्पा २' की शूटिंग

हैदराबाद: रणबीर कपूर और रश्मिका स्टारर 'एनिमल' इस वक्त चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म में गीतांजलि के रूप में रश्मिका मंदाना की भूमिका को भी काफी सराहा गया। अब रश्मिका १३ दिसंबर से 'पुष्पा २: द रूल' की शूटिंग शुरू करेगी। इसकी शूटिंग हैदराबाद में होगी। फिल्म के पहले भाग में उन्होंने श्रीवल्ली की भूमिका निभाई थी। अल्लू अर्जुन के शानदार डांस की वजह से फिल्म 'पुष्पा' के गाने खूब चले।

ऐसे में अब रश्मिका 'पुष्पा-२' में श्रीवल्ली के अपने आइकॉनिक किरदार को दोहराती नजर आएंगी।

कियारा अडवानी ने सिद्धार्थ के प्रपोजल का किया खुलासा

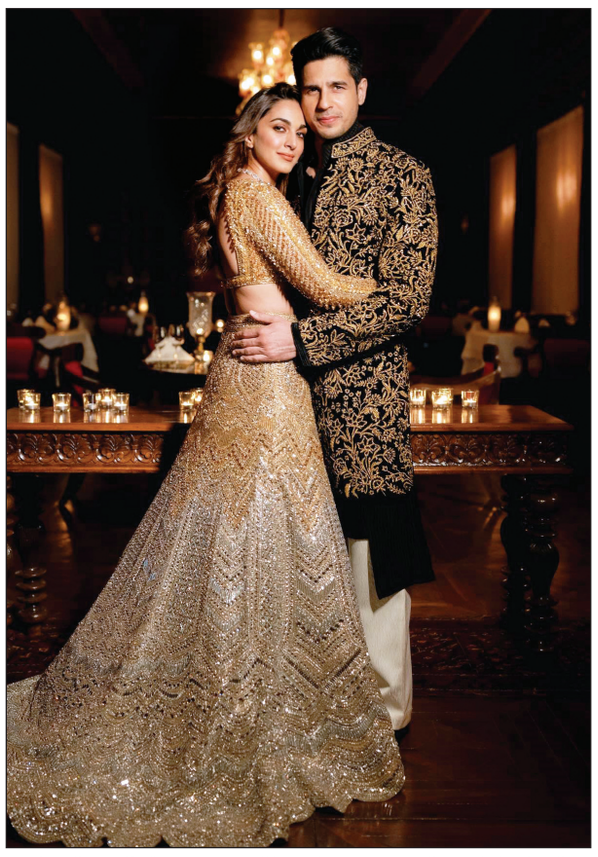

करन-विक्की भी हुए हैरान

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जोहर का शो कॉफी विथ करन का सीजन ८ इस वक्त काफी चर्चा में बना हुआ है. हाल ही में शो पर गेस्ट के तौर पर खूबसूरत हसीना कियारा अडवानी एक्टर विक्की कौशल के साथ पहुंची. जिसकी एक प्रोमो भी सामने आ चुका है. इस प्रोमो में कियारा अडवानी ये खुलासा करते हुए नजर आई कि सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शादी के लिए उनको बेहद रोमांटिक वे में प्रपोज किया था.

दरअसल शो का लेटेस्ट प्रोमो करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किया है. प्रोमो में कियारा अडवानी ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर बॉडीकोन ड्रेस पहने हुए नडर आई. जिसमें एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रही हैं. कियारा ने अपना ये ऑल ब्लैक लुक ओपन हेयर और न्यूड मेकअप के साथ पूरा किया है. वहीं विक्की कौशल शो में ब्लैक में पहुंचे हैं.

इस प्रोमो में कियारा अडवानी करण जौहर के साथ अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करती हुई दिखाई दी. इस दौरान करने उनसे कहते हैं कि आखिरी बार जब उन्होंने विक्की का इंटरव्यू लिया था तो आपके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस काउच थे. इसपर कियारा अडवानी हंसते हुए कहती हैं कि, हां हां तब हम दोनों रोम से वापस आए थे. जहां पर सिद्धार्थ ने रोमांटिक तरीके से मुझे प्रपोज किया था. एक्ट्रेस की ये बात सुनकर करण भी हैरान हो जाते हैं और फिर हंसने लगते हैं.

आख़िरकार पूजा ने पति का नाम बताया

खबर थी कि एक्ट्रेस पूजा सावंत ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। हालाँकि, उसने अपने होने वाले पति का चेहरा छुपाया और उसका नाम नहीं बताया। अब उन्होंने अपने फैंस के निशाने पर आकर इन दोनों बातों का खुलासा किया है। उनके मिस्ट्री मैन सिद्धेश चव्हाण हैं, जो काम के सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया में हैं। सिद्धेश पेशे से एक फिटनेस ट्रेनर और बिजनेसमैन हैं। पूजा के करीबी दोस्त सिद्धार्थ चांदेकर ने कमेंट किया, 'और डिज्नी फिल्म शुरू होती है।' ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि पूजा के होने वाले पति सिद्धेश चव्हाण डिज्नी कंपनी में हैं।

सारा-कार्तिक एक बार फिर साथ नजर आएंगे

मुंबई : अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित भूल भुलैया और भूल भुलैया २ बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं। पहली फिल्म में अक्षय कुमार और दूसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के तीसरे भाग में भी कार्तिक मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है, जो फैंस के चेहरे पर मुस्कान ला देगा।

खबरें हैं कि सारा अली खान कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैया में नजर आएंगी। पिछले कई दिनों से भूल भुलैया की चर्चा हो रही है। कुछ समय पहले खबर आई थी कि तब्बू इस बार मंजुलिका के किरदार में नजर नहीं आएंगी। भूल भुलैया में मंजुलिका के किरदार के लिए तब्बू ने खूब तारीफें बटोरीं। अब सारा के आने की बात से ही फैंस खुश हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक और प्रोड्यूसर भूषण कुमार हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया को लेकर काफी उत्साहित हैं। दोनों ने स्क्रिप्ट लॉक कर ली है। फिल्म की शूटिंग अगले साल फरवरी से शुरू हो सकती है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म के तीसरे पार्ट के लिए सारा अली खान को लिया गया है।

दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं और एक-दूसरे के साथ दोबारा फिल्म करने के लिए काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। उम्मीद है कि कार्तिक और सारा स्टारर भूल भुलैया की शूटिंग फरवरी २०२४ से शुरू होगी और दिवाली २०२४ पर सिनेमाघरों में आएगी। कार्तिक और सारा इम्तियाज अली की लव आज कल (२०२०) फिल्म में साथ नजर आए थे।

तृप्ति दिमरी की एनिमल में ये एक्ट्रेस होने वाली थीं कास्ट

ऐसे मिला एक्ट्रेस को रोल

, एनिमल के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बीच रणबीर कपूरऔर तृप्ति दिमरी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में दोनों का रोमांस देखने को मिला है लेकिन क्या आप जानते हैं। तृप्ति दिमरी से पहले जोया का किरदार किसी और एक्ट्रेस को मिलने वाला था

एनिमल में तृप्ति दिमरी के किरदार की बात करे तो रणबीर कपूर संग उनका एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर दिखाया है। फिल्म में दोनों के कुछ इंटीमेट सीन है। सोशल मीडिया पर इनके सीन से जुड़े कई फोटो वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, फिल्म में भले ही रणबीर के साथ थोड़े टाइम के लिए ही तृप्ति ने स्क्रीन स्पेस शेयर किया है, लेकिन लीड एक्ट्रेस रश्मिका से ज्यादा उनकी चर्चा हो रही है।

बता दें, तृप्ति ने साल २०१७ में आई फिल्म 'मॉम' से अपने की शुरुआत की थी।'मॉम' में वह एक छोटी-सी भूमिका में नजर आई थीं। इसके बाद एक्ट्रेस सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'पोस्टर बॉयज' में नजर आई थी। उन्हें असल पहचान इम्तियाज अली की फिल्म 'लैला-मजनू' से मिली। इस फिल्म में वो लीड रोल में नजर थीं। इसके अलावा वह साल २०२० में फिल्म बुलबुल और साल २०२२ में कला में दिखाई दी।

मनोज और जोराम ने बड़े पर्दे पर धमाल मचाया

मुंबई : जोराम अभिनय के गुरु कहे जाने वाले मनोज वाजपेई की फिल्म जोराम हाल ही में बड़े पर्दे पर आई है और उनके अभिनय की सराहना हो रही है। जोराम एक आदिवासी जोड़े की कहानी दर्शाता है। मेहनतकश पति-पत्नी जीवन में खुश रहने का प्रयास करें। इसी तरह उन पर जानलेवा हमला होता है। इसमें उसकी पत्नी की मौत हो जाती है और पति यानी मनोज बच्चे को लेकर गांव छोड़ देता है। यह फिल्म मानव निर्मित पर्यावरणीय क्षति, झारखंड में राजनीति और नक्सलवाद से संबंधित है। फिल्म में मनोज की पत्नी का किरदार तनिष्ठा चटर्जी ने निभाया है, मराठी कलाकार राजश्री देशपांडे और स्मिता तांबे भी अहम भूमिका में हैं। अन्य कलाकारों में मोहम्मद जिशान, मेघा माथुर, धनीराम प्रजापति, अपूर्व महेश आदि शामिल हैं।

सीरियल 'कहे दिया परदेस' से घर तक पहुंचने वाली सायली संजीव हमेशा किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। फिलहाल वह फिल्म 'जिम्मा २' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे नाटक में अभिनय के बारे में पूछा गया तो

सैली नाटकों में अभिनय क्यों नहीं करती?

उन्होंने कहा, भविष्य में मैं किसी भी माध्यम में अभिनय करना पसंद करूंगी, चाहे वह फिल्म हो या धारावाहिक... मैं जानबूझकर नाटक का जिक्र नहीं कर रही हूं। क्योंकि, मैं अभी भी नाटक के माध्यम को नहीं अपना पायी हूं। नाटक में बहुत समय लगता है। सैली ने कहा, मैं कई चीजों के बारे में सोचती हूं, कि क्या मैं किसी चीज को स्वीकार करने से पहले खुद को इतना समय दे सकती हूं।

राजनीति में आएंगी परिणीति चोपड़ा?

मुंबई : बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी तीन महीने पहले राजस्थान में हुई थी। ससुराल में कुछ समय बिताने के बाद एक्ट्रेस अब अपने काम पर वापस लौट आई हैं। हाल ही में परिणीति ने एक इवेंट में हिस्सा लिया। जहां उनसे उनकी शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई सवाल पूछे गए। इसी बीच उनसे राजनीति में आने के बारे में भी पूछा गया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक्ट्रेस से उनके राजनीति में शामिल होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बेहद मजेदार जवाब दिया। परिणीति ने कहा कि उनके पति राघव को बॉलीवुड के बारे में कुछ नहीं पता और मुझे राजनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्रशंसक उन्हें राजनीति में प्रवेश करते हुए नहीं देख पाएंगे। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'हम दोनों सार्वजनिक जीवन में हैं, लेकिन हमने कभी नहीं सोचा था कि हमें पूरे देश से इतना प्यार मिलेगा।' मुझे लगता है कि अगर आप सही व्यक्ति के साथ हैं तो शादी सबसे अच्छी है। अभिनेत्री ने अपना एक वर्कआउट वीडियो साझा किया, जिसमें वह जिम में पसीना बहाती देखी जा सकती हैं। इस वीडियो के जरिए एक्ट्रेस ने बताया कि उनका वजन १५ किलो बढ़ गया है और अब वह इसे घटा रही हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री पांसे ने फिल्म जंगल सत्याग्रह में की वॉइस डबिंग

बैतूल : पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं मुलताई विधायक सुखदेव पांसे ने गोंडवाना प्रोडक्शन प्रा. लि. द्वारा बनाई जा रही फिल्म जंगल सत्याग्रह में अपने अभिनय की वॉइस डबिंग को शोभापुर सारणी ओम म्यूजिक जोन स्टूडियो पहुंचकर संपन्न की। मुंबई से आये क्रियेटिव डायरेक्टर रोहित घोक्षे, प्रवीण डी, डबिंग इंजीनियर प्रवीण पगारे लेखक निर्देशक प्रदीप उइके की उपस्थिति में डबिंग कार्य सफलतापूर्वक किया गया।

पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे पांसे ने बताया कि फिल्म विगत दो वर्ष से बन रही है जिसमें मुझे अभिनय करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जल जंगल जमीन के लिए हुए जंगल सत्याग्रह में सरदार विष्णुसिंग गोंड, सरदार गंजनसिंग कोरकू सहित अनेक क्रांतिकारियों ने अपनी आहुति देकर देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाई। गांधीजी के नमक सत्याग्रह आंदोलन के समतुल्य जंगल सत्याग्रह की नीव बैतूल से रखी गई और उसका रूप सम्पूर्ण भारत में दिखा, देश की आजादी में आदिवासियों का बहुत बड़ा योगदान रहा।

फिल्म के लेखक निर्देशक प्रदीप उइके ने बताया कि पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने प्रभात पट्टन के स्वन्त्रता सेनानी बिहारीलाल पटेल का रोल अदा किया है, जिसकी वॉइस डबिंग आज करते ही फिल्म की शत प्रतिशत डबिंग संपन्न हो चुकी है। इसके बाद निरंतर कार्य प्रगति पर है जिसमें ३डी एनिमेशन, ऐसेफेक्स, वियेफेक्स, बेकग्राउंड म्यूजिक, कलर ग्रेडिंग, मिक्सिंग, सेंसर का कार्य किया जाएगा।

ऑस्कर लेवल की है फिल्म की कहानी

क्रिएटिव डायरेक्टर रोहित घोक्षे ने बताया कि जब स्क्रिप्ट सुनी तो लगा फिल्म की कहानी ऑस्कर लेवल की है। फिल्म सत्य घटना पर आधारित है जिसमें ५० प्रतिशत लोगो को कहानी पूर्व से ही पता होती है, तो फिल्म हिट होना तय माना जाता है, फिल्म शूटिंग से लेकर अंतिम कार्य तक करना मेरे लिए गर्व की बात है।

डबिंग इंजिनियर प्रवीण पगारे ने बताया की सभी आर्टिस्ट नये होने के बाद भी मुझे नहीं लगा कि ये पहली बार फिल्म डब कर रहे। कई फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी कलाकारों के डब में पसीने छूट जाते है, यहां के कलाकारों मे अलग जूनून है।

'सैम बहादुर' के लिए खूब तारीफें बटोर रहे हैं विक्की कौशल

बॉलीवुड के शानदार कलाकार विक्की कौशल पिछले काफी समय से अपनी फिल्म 'सैम बहादुर' को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर इस समय काफी हाइप बना हुआ है। फैंस के साथ-साथ यह फिल्म सेलेब्स को भी काफी पसंद आ रही है। सभी विक्की की काफी तारीफ कर रहे हैं। सारा अली खान के साथ-साथ कई बॉलीवुड सेलेब्स ने सैम बहादुर में विक्की कौशल की एक्टिंग की काफी सराहना की है। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए विक्की को तारीफ मिल रही है।

सारा अली खान ने की तारीफ

'सैम बहादुर' फिल्म को लेकर पिछले काफी समय से विक्की कौशल प्रमोशन में बिजी थी। फैंस को भी इस फिल्म की रिलीज को बेसब्री से इंतजार था। ऐसे में अब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से फिल्म को फिलहाल अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं, बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और निर्माता करण जौहर ने सैम बहादुर की काफी तारीफ की है।

बीजेपी के साथ कभी नहीं जाऊंगा : शरद पवार

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ शरद पवार ने कहा कि वे कभी भी बीजेपी के साथ हाथ नहीं मिलाएंगे। वे अपने इस स्टैंड पर हमेशा से कायम थे और रहेंगे।

शरद पवार शनिवार (२ दिसंबर) ने पुणे में मीडिया से कहा कि अगर कोई उन्हें भाजपा से हाथ मिलाने का सुझाव भी देगा तो वे उसे नहीं मानेंगे।

अजित पवार ने शुक्रवार (१ दिसंबर, २०२३) को दावा किया था कि शरद पवार खुद ही छउझ अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना चाहते थे और उन्होंने ही अजित से भाजपा के साथ मिलने के लिए कहा था।

शरद पवार बोले- अजित की बात को सीरियसली नहीं लेता

अजित पवार के खुलासे पर शरद पवार ने कहा कि सुबह-सुबह चुपके से शपथ लेने वाले अगर पार्टी की पॉलिसी की बातें कर रहे हैं तो हमें उन्हें गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। बारामती लोकसभा सीट से अजित गुट के चुनाव लड़ने की घोषणा पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी को कहीं से भी चुनाव लड़ने की आजादी है।

शरद पवार ने कहा कि हमें पार्टी छोड़कर जाने वालों की चिंता नहीं करनी चाहिए। बल्कि इसकी जगह लोगों की परेशानियां दूर करने के बारे में सोचना चाहिए। अगर हम अपने युवा नेताओं को सपोर्ट करेंगे तो आने वाले चुनावों में हमें जीत मिलेगी। इसलिए हमें अपनी विचारधारा वाले लोगों से संपर्क बढ़ाना चाहिए।

पार्टी तोड़ने के बाद बढ़ती गईं चाचा-भतीजे की दूरियां

शरद पवार ने २ मई को छउझ अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था, जिसके बाद अजित ने खुद को छउझ का अध्यक्ष घोषित कर दिया था। हालांकि बाद में शरद ने अपना फैसला वापस ले लिया। इसके बाद जुलाई में अजित पवार अलग गुट बनाकर महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए। वे मौजूदा शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम हैं।

अजित के साथ ८ विधायकों को भी शिंदे मंत्रिमंडल में जगह मिली है। इनमें छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुशरीफ, धनजय मुंडे, धर्मराव अत्राम, अनिल भाई दास पाटिल, अदिति तटकरे शामिल हैं।

शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद अजित ने कहा था कि हमने उद्धव के साथ भी सरकार बनाई थी, तो शिंदे के साथ जाने में क्या गलत किया है। हमारे पास सरकार चलाने का अनुभव है।

विधायकों को अयोग्य घोषित करने का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में

राकाँ के शरद पवार गुट ने पाला बदलने वाले अजित पवार और ८ विधायकों को अयोग्य घोषित करने के की मांग विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से की थी। स्पीकर ने इस मुद्दे पर सुनवाई नहीं की तो शरद पवार गुट ने सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को शिवसेना विधायकों के मामले के साथ जोड़ दिया था। अब दोनों मामलों की सुनवाई साथ में हो रही है। अगली सुनवाई जनवरी २०२४ में होगी।

इसके अलावा अजित पवार ने राकाँ का सिंबल लेने के लिए चुनाव आयोग में याचिका भी दी थी। चुनाव आयोग ने अभी तय नहीं किया है कि पार्टी पर किसका अधिकार होगा।

गोवा में आयोजित ५४वें इंटरनेशनल भारतीय फिल्म महोत्सव दौरान केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी, सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने को सम्मानित किया।

मकरंद रानाडे ने पदभार संभाला

नई दिल्ली : एयर मार्शल मकरंद रानाडे ने आज वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली में महानिदेशक (निरीक्षण और सुरक्षा) डीजी (आई एंड एस) का पदभार संभाला।

नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली और पेरिस (फ्रांस) के कॉलेज इंटरआर्मी डी डिफेंस के पूर्व छात्र, एयर मार्शल मकरंद रानाडे को ०६ दिसंबर १९८६ को भारतीय वायु सेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन दिया गया था। ३६ वर्षों से अधिक के सेवा काल में, इनकी कई महत्तवपूर्ण क्षेत्रीय और स्टॉफ पदों पर नियुक्ति रही। जिनमें एक लड़ाकू स्क्वाड्रन और दो फ्लाइंग स्टेशनों की कमान शामिल हैं। वे टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट के साथ-साथ डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में निदेशक स्टाफ रहे हैं। उन्होंने काबुल, (अफगानिस्तान) में भारतीय दूतावास में एयर अताशे के रूप में भी कार्य किया हैउनकी वायु सेना मुख्यालय में हुई स्टाफ नियुक्तियों में निदेशक, कार्मिक अधिकारी, प्रधान निदेशक, वायु सेना कर्मचारी निरीक्षण निदेशालय और सहायक प्रमुख वायु सेना संचालन (अंतरिक्ष) शामिल हैं। अपनी वर्तमान नियुक्ति से पहले, वे मुख्यालय पश्चिमी वायु कमान, नई दिल्ली में वरिष्ठ एअर स्टॉफ अधिकारी भी रहे हैं। उन्हें वर्ष २००६ में वायु सेना पदक (वीरता) और वर्ष २०२० में अति विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने एयर मार्शल संजीव कपूर का स्थान लिया है जो ३८ वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के बाद २०२३ को सेवानिवृत्त हुए हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा में महादेव बेटिंग एप की गूंज

एसआयटी और ईडी कर रही जांच - गृहमंत्री फडणवीस

नागपुर : महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को महादेव बेटिंग घोटाले की गूंज सुनाई पड़ी. विधानसभा में बताया गया कि महादेव एप घोटाले का पैसा रियल एस्टेट में इन्वेस्ट किया गया है. राज्य के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बिल्डर की पहचान हो गई है. मामले की एसआईटी और ईडी जांच कर रही है. की कार्यवाही के दौरान विपक्षी विधायकों की ओर से कई सवाल भी किए गए.

देवेंद्र फडणवीस ने सदन में सवालों का जवाब देते हुए देश के फिल्मी सितारों से भी बड़ी अपील की. उन्होंने कहा कि फिल्मी सितारों से कहा कि भविष्य में वो ऐसे किसी गेमिंग एप का न करें. उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां अगले दो महीने में जांच पूरी कर देंगी. मामले की एनआईए जांच जरूरी नहीं है, ईडी पहले से ही जांच कर रही है.

विधानसभा की कार्यवाही के दौरान बीजेपी नेता आशीष शेलार ने कहा कि महादेव एप के जरिए कमाया गया पैसा के जरिए निवेश किया जा रहा है. इसके साथ-साथ उन्होंने इंफ्रा प्रोजेक्ट में भी पैसा लगाने का आरोप लगाया. जवाब में गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि मामले की ईडी जांच कर रही है. मुंबई पुलिस के जरिए भी जांच हो रही है.

महादेव एप पैरेंट कंपनी, इसके ६७

राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महादेव एप एक पैरेंट कंपनी है जो सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल के जरिए चलाई जा रही है. इसके कुल ६७ एप हैं और सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. इनका पोर्टल भी है जिसमें महादेव एप की ८०-२० फीसदी पार्टनरशिप इसका रजिस्ट्रेशन साउथ अमेरिका के वेनेजुएला में किया गया है.

साइबर सेल व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैनल मॉनिटर नहीं कर सकता

सदन की कार्यवाही के दौरान महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विधायक नाना पटोले ने पूछा कि इस पूरे मामले में राज्य का आईटी सेल क्या कर रहा था? फडणवीस ने में बताया कि फिजिकली जो जुआ बंद है उसे इन लोगों ने ऑनलाइन शुरू किया था. इनका पूरा सिस्टम व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए चल रहा था. इसलिए साइबर सेल व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैनल को मॉनिटर नहीं कर सकता है. डेटा शेयरिंग को लेकर एक नया कानून लाने पर चल रहा है.

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने पूछा क्या केंद्र सरकार से इस संबंध में कोई बातचीत हो सकती है, जिसके जरिए इस तरह की आदत लगाई जा रही है? जवाब में गृहमंत्री ने कहा कि राज्य की ओर से इस पर कैसे रेग्यूलेशन लाना है इसपर भी हम चर्चा करेंगे.

सितारों से ऐसे विज्ञापन नहीं करने की अपील

वहीं, निर्दलीय विधायक बच्चू कडू ने ऑनलाइन गेमिंग के लिए सितारों के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि सितारे इसका प्रचार करते हैं, क्या उस पर भी कोई कार्रवाई होगी? जवाब में फडणवीस ने कहा कि ऑनलाइन पर एक्शन के लिए केंद्रीय कानून तैयार करना होगा. गेमिंग एप को ऑपरेट कहीं और से किया जाता है और उसका रजिस्ट्रेशन कहीं और होता है. सितारे ऐसे विज्ञापनों से दूरी बनाए. सभी से मेरी अपील है कि वो ऐसे विज्ञापन न करें.

मुंबई में १७ साल की लड़की चला रही थी सेक्स रैकेट

४ महिलाएं रेस्क्यू; ८४ हजार कैश और १.५ लाख के फेक नोट बरामद

मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने एक होटल से सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस होटल से ४ महिलाओं को रेस्क्यू किया, जिन्हें वेश्यावृत्ति में धकेल दिया गया था। यह सेक्स रैकेट एक १७ साल की लड़की चला रही थी।

छापेमारी के दौरान टीम को एक मोबाइल फोन, एक घड़ी, ८४ हजार ३० रुपए की नकदी और १.५ लाख से ज्यादा के फेक नोट बरामद हुए हैं।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि वाशी इलाके में स्थित एक होटल में सेक्स रैकेट चल रहा है। इस पर पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल ने टीम के एक मेंबर को ग्राहक बनाकर होटल में भेजा। उसके पीछे पूरी टीम होटल में दाखिल हुई।

छापेमारी के दौरान टीम ने ४ महिलाओं को रेस्क्यू किया। उनकी उम्र २० साल के आसपास है। पीडित महिलाओं में से एक नेपाल और दो बिहार की हैं। सभी को रिहैबिलिटेशन सेंटर भेज दिया गया है।

पुलिस ने एफआईआर का हवाला देते हुए बताया कि मामले की मुख्य आरोपी मलाड की रहने वाली है। वह वेश्यावृत्ति से आने वाले पैसे का कुछ हिस्सा पीडित महिलाओं को देती थी, बाकी रकम अपने पास रखती थी।

आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ३७० (किसी व्यक्ति को गुलाम के रूप में खरीदने) और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम-१९५६ के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यूपी की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके की अलकनंदा ऐनक्लेव के एक फ्लैट में सेक्स रैकेट पकड़ा गया। छापेमारी में लखनऊ पुलिस ने थाईलैंड की ३ लड़की समेत ६ लोगों को हिरासत में लिया है। इन सभी के पास से कई आपत्तिजनक सामग्री भी पुलिस ने बरामद की।

फिल्म का ऑफर देकर रिकॉर्ड की वीडियो', वेबसाइट पर किया अपलोड

मुंबई : मुंबई में एक प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म ऑफर करने का झूठा दिलासा देकर पीड़ित लकड़ी का अश्लील विडियो शूट किया. लेकिन बाद में उसे वीडियो को एक बेव साइट पर अपलोड कर दिया. प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस को बताया कि वह एक नई बेव बना रहे हैं और पीड़िता को ऑडिशन के लिए आना है.

फिल्म में काम देने का झांसा देकर एक मॉडल का न्यूड वीडियो शूट किया गया. पहले ऑडिशन के नाम पर अश्लील फिल्म बनाई फिर लड़की को गुमराह करके उसे अश्लील वेब सीरीज के तौर पर प्रसारित किया गया. मामला पालघर जिला के विरार इलाके का है. इस घटना को लेकर ३ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच यूनिट कर रही है.

हजारों की भीड़ की तरह १८ साल की पीड़िता मायानगरी में एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर लिए आई वह वसई में किराए के मकान में रहती हैं. हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए और बेव सीरीज में काम पाने के लिए कई प्रोडक्शन हाउस के चक्कर लगा रही थी. इसी बीच पीड़िता को एक प्रोडक्शन हाउस से फोन आया. एक्ट्रेस को बताया गया कि हम नई बेव सीरीज़ बना रहे हैं और आप को ऑडिशन के लिए आना है.

चार लोगों की टीम शामिल

महिला को विरार के अर्नाला बीच पर बुलाया गया. वहां उनकी मुलाकात प्रोडक्शन कंपनी के ४ लोगों से हुई. इसमें एक निर्देशक,एक कैमरामैन,एक अभिनेता और एक महिला मेकअप आर्टिस्ट शामिल जिसके बाद पीड़िता को एक लॉज पर लेकर गए. पीड़िता को धोखे में रख कर यह कहा गया कि वह कुछ सीन फिल्माना चाहता हैं. ये अश्लील सीन हैं और यह केवल ऑडिशन का हिस्सा रहेगा. पीड़िता से कहा गया कि इसे कहीं भी उपयोग नहीं किया जायेगा.

कुछ दिन बीत गए लेकिन प्रोडक्शन हाउस से महिला को कॉल नही आया. इस बीच उस महिला को अपने एक करीब से पता चला कि एक वेबसाइट पर उसका अश्लील वीडियो दिख रहा है. जिसके तुरंत बाद महिला ने प्रोडक्शन हाउस से संबंधित लोगों को फोन लेकिन उनका नंबर बंद बता रहा था. तब उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है. मॉडल नजदीकी अर्नाला पुलिस स्टेशन में पहुंची और शिकायात दर्ज कराई.

सामाजिक एकीकरण की धुरी हैं भाषाएं : डॉ. संजय दुधे

नागपुर : भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है वरन यह हमारी पहचान है। भाषाएं ज्ञान की संवाहक हैं। सभ्यता के विकास की प्रवक्ता हैं। सामाजिक एकीकरण की धुरी हैं। उक्त विचार राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के प्र-कुलगुरु डॉ. संजय दुधे ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग एवं राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय भाषाएं : राष्ट्रीय अपेक्षाएं विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में ज्ञान-विज्ञान की अखंडित परंपरा रही है। भारतीय संस्कृति के संवाहक के रूप में भारतीय भाषाओं ने भारत की पहचान बनाए रखने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।

प्रमुख अतिथि आर्य शिक्षा संस्था के उपाध्यक्ष श्री घनश्याम दास कुकरेजा ने कहा कि अभावग्रस्त लोगों की सेवा करना ही मनुष्य का कर्तव्य है। मनुष्य के कर्तव्य का बोध भारतीय संस्कृति से होता है और यह सांस्कृतिक बोध हमें भाषा से प्राप्त होता है। भारतीय भाषाएं विभिन्न सांस्कृतिक धरोहरों को जीवंत बनाए हुए हैं।

प्रास्ताविक रखते हुए कार्यशाला के संयोजक हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय ने कहा कि भारतीय भाषाओं से जो राष्ट्रीय अपेक्षाएं हैं, उन पर व्यापक विमर्श की आवश्यकता है। आज अनेक भारतीय भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। भाषा के लुप्त होने का मतलब है ज्ञान, अनुभव और संवेदना का लोप होना। भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उन्नयन से ही भारतीयता के भाव को पोषित किया जा सकता है। कार्यक्रम का बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली की सदस्य डॉ. वंदना खुशालानी ने कहा कि भारतीय भाषाओं के बीच आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए इस उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से भारतीय भाषाओं की भूमिका को उद्घाटित करना और समय के अनुसार उसे परिभाषित करना मुख्य उद्देश्य है।

विषय विशेषज्ञ भारतीय विचार मंच नागपुर के संयोजक श्री सुनील किटकरु ने अपने भाषण में कहा कि भारत की पहचान एक ज्ञानी देश के रूप में रही है। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के अनेक प्रदेशों की भाषाओं का उदाहरण देते हुए बड़े ही रोचक ढंग से भाषा के महत्त्व को रेखांकित किया। दक्षिण भारतीय शिक्षण संस्था, नागपुर के संयोजक, सरस्वती विद्यालय के पूर्व प्राचार्य श्री एस. प्रभुरामन ने कहा कि भाषा मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति होती है। भाषा ही मनुष्य के विकास का आधार है। मनुष्य जब भाषा सीखता है तब ही उसे जीवन में विभिन्न अवसर मिलते हैं।

समापन सत्र के विशेष अतिथि सिंधी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष डॉ. विजय केवलरमानी ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण की अपेक्षा जताई। विषय विशेषज्ञ नूतन महाविद्यालय, उमरेड के प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार उपाध्याय ने भाषाई अंतर्संबंधों को रेखांकित किया। भाषा तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. भारत खुशालानी ने हिन्दी व सिंधी सहित अन्यान्य भारतीय भाषाओं की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. शामराव कोरेटी ने समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान की परंपरा को सुदृढ़ बनाने का उपक्रम है। हमारी भाषाओं को ज्ञान और रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन सहयोगी प्राध्यापक डॉ. संतोष गिरहे व डॉ. सुमित सिंह ने किया।

आभार डॉ. लखेश्वर चंद्रवंशी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. एकादशी जैतवार, डॉ. कुंजन लिल्हारे, प्रा. जागृति सिंह, प्रा. दिशान्त पाटिल, प्रा. दामोदर द्विवेदी, प्रा. रूपाली हिवसे, डॉ. नीलम वीरानी, श्री किशोर लालवानी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित थे।

दवाओं के मूल्य निर्धारित करने के मानक

नई दिल्ली : डीपीसीओ २०१३ के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, बिक्री के लिए नियत अनुसूचित या गैर-अनुसूचित फार्मूलेशन के प्रत्येक मैन्युफैक्चरर को फार्मूलेशन के कंटेनर के लेबल पर और खुदरा बिक्री के लिए प्रस्तावित उसके न्यूनतम पैक पर अमिट प्रिंट मार्क में उस फार्मूलेशन का अधिकतम खुदरा मूल्य प्रदर्शित करना होगा जिसके आगे 'अधिकतम खुदरा मूल्य' शब्द अंकित होगा और उसके बाद 'सभी करों को सम्मिलित' शब्द अंकित होगा।

इसके अतिरिक्त डीपीसीओ २०१३ में यह प्रावधान है कि प्रत्येक मैन्युफैक्चरर, अन्य बातों के साथ-साथ डीलरों को एक मूल्य सूची जारी करेगा, जो इसे उस आधार के विशिष्ट भाग पर प्रदर्शित करेगा जहां वह व्यवसाय करता है। इसमें यह भी प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी उपभोक्ता को वर्तमान मूल्य सूची में निर्दिष्ट मूल्य या कंटेनर या उसके पैक के लेबल पर दर्शाए गए मूल्य, जो भी कम हो, से अधिक मूल्य पर कोई फार्मूलेशन नहीं बेचेगा। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा डीपीसीओ २०१३ के संगत प्रावधानों के अंतर्गत अधिक मूल्य वसूलने के मामलों से निपटा जाता है। तथापि, एमआरपी के भीतर मेडिकल स्टोरों द्वारा ग्राहकों को रियायत का प्रावधान वाणिज्यिक विचार और एक व्यावसायिक प्रथा द्वारा निर्देशित होता है जो नियंत्रण आदेश के दायरे में नहीं आता है।

एनपीपीए डीपीसीओ, २०१३ के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार अनुसूचित फॉर्मूलेशन का अधिकतम मूल्य तय करता है। किसी अनुसूचित फार्मूलेशन का अधिकतम मूल्य पहले एक प्रतिशत या उससे अधिक बाजार हिस्सेदारी वाले उस विशेष फार्मूलेशन के सभी ब्रांडेड-जेनेरिक और जेनेरिक रूपों के संबंध में खुदरा विक्रेता (पीटीआर) को मूल्य का साधारण औसत निर्धारित करके तय किया जाता है।

उस विशेष दवा फॉर्मूलेशन के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अधिसूचित उच्चतम मूल्य और लागू करों से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त डीपीसीओ, २०१३ में उन मामलों में अधिकतम मूल्य निर्धारित करने का भी प्रावधान है जहां प्रतिस्पर्धा का अभाव है और अनुसूचित फॉर्मूलेशन के वर्तमान निर्माताओं के लिए डीपीसीओ, २०१३ में परिभाषित नई दवा के खुदरा मूल्य हैं। एनपीपीए द्वारा निर्धारित मूल्यों का ब्यौरा एनपीपीए की वेबसाइट www.nppaindia. nic.in पर उपलब्ध है।

यह जानकारी आज लोकसभा में रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री श्री भगवंत खुबा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

विश्व से आतंकवाद का सफाया सभी राष्ट्रों के हित में

कैसा समय आ गया है जहां विभिन्न विकसित, शक्तिशाली, संसाधन सम्पन्न देशों को अविकसित और विकासशील देशों की मदद करना चाहिए, उन्हें गरीबी, पेयजल, भूखमरी और स्वास्थ्य जैसी समास्याओं से उबारना चाहिए, उनका सारा ध्यान विध्वंसक हथियारों की सप्लाई में लगा हुआ है। विश्व शांति की दिशा में किसी भी देश को चिंता और दिलचस्पी नहीं, यहां तक की यूएन को भी नहीं। भारत ही एक ऐसा देश है जो अपने वैदिक ज्ञान और सनातन संस्कृति के कारण वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करता है, पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक शांति के लिए प्रार्थना करता है। मुझे ऐसा लगता है आज अधिकांश देश स्वार्थी हो चले हैं, हर घटना, विषयवस्तु और परिस्थितियों में कुशल व्यापारी की तरह नफा और नुकसान को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेते हैं और संबंधों को स्थापित करते हैं। इसीलिए शायद विभिन्न देशों के मध्य चल रहे घोषित और अघोषित युद्ध को समाप्त करने के प्रयास न के ही बराबर दिखाई देते हैं। दिखाई दें भी कैसे विश्व शांति में उन्हें अपना और अपने देश का हित कहीं नज़र ही नहीं आता।

डॉ. मनमोहन प्रकाश

वर्तमान दशक में कई देश आमने-सामने से लड़ चुके हैं, लड़ रहे हैं तो कुछ देश परदे के पीछे से, तो कुछ लड़ने के लिए देशों को उकसा रहे हैं और आपस में लड़वा रहे हैं। लड़ने-लड़ाने की मंशा के पीछे कुछ देशों के शातिर दिमाग में अधिकार क्षेत्र का विस्तार है, कुछ देशों के मन में भूभाग विस्तार है, कुछ देशों के मन में समुद्री क्षेत्र का विस्तार है, कुछ देशों के मन में संसाधनों का विस्तार है, तो कुछ देशों के मन में हथियारों की बिक्री, तो कुछ के मन में लड़ाई करने वाले देशों को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से कमजोर करना। इस परिदृश्य को देखते हुए जहां कुछ देश मानव और प्रकृति विनाश के हथियारों का जखीरा बढ़ा रहे हैं, वहीं कुछ देश अपने ऊपर आक्रमण के भय से ताकतवर देशों से हथियार खरीदने के लिए मजबूर हैं। जो देश ना तो हथियार बना सकते हैं और ना ही खरीदने की स्थिति में है वे शक्तिशाली देशों या देशों के समूह की शरण में हैं।

कैसा समय आ गया है जहां विभिन्न विकसित, शक्तिशाली, संसाधन सम्पन्न देशों को अविकसित और विकासशील देशों की मदद करना चाहिए, उन्हें गरीबी, पेयजल, भूखमरी और स्वास्थ्य जैसी समास्याओं से उबारना चाहिए, उनका सारा ध्यान विध्वंसक हथियारों की सप्लाई में लगा हुआ है। विश्व शांति की दिशा में किसी भी देश को चिंता और दिलचस्पी नहीं, यहां तक की यूएन को भी नहीं। भारत ही एक ऐसा देश है जो अपने वैदिक ज्ञान और सनातन संस्कृति के कारण वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करता है, पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक शांति के लिए प्रार्थना करता है। मुझे ऐसा लगता है आज अधिकांश देश स्वार्थी हो चले हैं, हर घटना, विषयवस्तु और परिस्थितियों में कुशल व्यापारी की तरह नफा और नुकसान को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेते हैं और संबंधों को स्थापित करते हैं। इसीलिए शायद विभिन्न देशों के मध्य चल रहे घोषित और अघोषित युद्ध को समाप्त करने के प्रयास न के ही बराबर दिखाई देते हैं। दिखाई दें भी कैसे विश्व शांति में उन्हें अपना और अपने देश का हित कहीं नज़र ही नहीं आता है।

विश्व परिदृश्य की इन स्थितियों से जहां एक ओर कुछ राष्ट्र युद्ध की भयावह और विश्व युद्ध की आशंका और परमाणु युद्ध के भय से डरे हुए हैं, आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, वहीं कुछ राष्ट्र आतंकवाद की मार झेल रहे हैं और कुछ राष्ट्र दोनों में अपना हित देख रहे हैं। युद्ध में संलग्न देश युद्ध को जायज ठहरा रहे हैं वहीं आतंकवाद में संलग्न लोग आतंकवादी घटनाओं को स्वतंत्रता के लिए किये गए प्रयास का समर्थन मानते हैं। हर देश अपने हिसाब से आतंकवाद और आतंकियों को परिभाषित करने में लगा हुआ है। इसीलिए तो एक देश में आतंकवादी गतिविधियां करने वाले व्यक्तियों को दूसरे देश में आसानी से शरण मिल जाती है, संरक्षण मिल जाता है। कई बार तो उन्हें बचाने के लिए दूसरे देशों द्वारा नागरिकता तक दे दी जाती है। उन्हें अपने देश में स्वतंत्रता के नाम पर अनैतिक कार्य करने की अघोषित अनुमति भी प्रदान कर दी जाती है। यह कितना उचित है विचारना होगा?

किसी देश द्वारा उसके यहां आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने वाले संगठन और व्यक्तियों को जब अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा आतंकवादी घोषित करवाने के प्रयास किए जाते हैं (ताकि अन्य देशों में ये भविष्य में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम न दे सकें) तो कुछ देश आतंकवादियों को आतंकवादी मानने के लिए ही तैयार नहीं होते, उनके बचाव में आ जाते हैं। उन्हें जितने भी सबूत पीड़ित राष्ट्र द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं, अपर्याप्त ही लगते हैं। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करना तो दूर रहा उन्हें संरक्षण, सुरक्षा, हथियार और धन भी उपलब्ध करवा दिये जाते हैं। आतंकवादियों से निपटने में चीन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी और इजरायल आदि देशों का अपना नजरिया है, अपना तरीका हैं, अपना नियम हैं। ताकतवर देश तो अपने ऊपर आंच आने पर, आतंकवादी हमला होने पर, आतंकवादियों को दूसरे देशों में बिना पूछे, बिना बताएं घुसकर मार देते हैं और उनकी इस कार्यवाही को सही ठहराया जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि किसी देश के घोषित आतंकवादी की किसी शरणस्थली बने दूसरे देश में अज्ञात हमलावरों द्वारा अज्ञात कारणों से हत्या कर दी जाती है तो इसके लिए भी उस देश को जिम्मेदार ठहराया जाता है, कटघरे में खड़ा किया जाता है। यह भी विचार नहीं किया जाता वह किसी राष्ट्र का घोषित आतंकवादी है, उसने मानवता को दंश दिया है। इतना ही नहीं इस घटनाक्रम को अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उलंघन कहा जाता है, संप्रुभता पर हमला माना जाता है। इन राष्ट्रों के इस व्यवहार को कैसे उचित माना जा सकता है? ऐसे रवैये से तो आतंकवाद के समाप्त होने के स्थान पर बढ़ने की संभावना अधिक है।

हाल ही में हमास द्वारा इजरायल पर किये हमले को कुछ देश आज भी आतंकवादी घटना मानने को तैयार ही नहीं जबकि इस हमले में सैकड़ों निरपराध नागरिकों की हत्या की गई है। इतना ही नहीं कुछ देश तो इजरायल द्वारा अपराधिक आतंकवादियों के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई को भी सही नहीं ठहरा रहे हैं। ऐसा ही कुछ भारत के साथ भी होता आया है। भारत में विशेषकर काश्मीर में हो रही आतंकवादी घटनाओं को पाकिस्तान सहित कुछ देश आतंकवादी घटनाएं मानने को तैयार नहीं है। भारत के न जाने कितने घोषित आतंकवादी दूसरे देशों में शरण लिए हुए हैं और वहीं से आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। भारत द्वारा आतंकवादी गतिविधियां के प्रमाण देने पर भी उन्हें कुछ देशों द्वारा आतंकवादी ही नहीं माना जा रहा है, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी की सूची में डालने में रोड़ा अटकाया जाता है। आतंकवादियों को उनके मूल देश को सौंपा नहीं जाता है। ऐसा लगता है कुछ देश चाहते ही नहीं है कि विश्व से आतंकवाद समाप्त हो, आतंकवादियों को सजा मिले, और जो पीड़ित हैं और आतंकवादियों के दंश का शिकार हुए हैं उन्हें न्याय मिले।

यह कितना न्याय संगत है, मानवता हितकारी है? इतना ही नहीं कुछ देश खुलकर आतंकवाद का, आतंकवादी घटनाओं का समर्थन कर रहे हैं, कुछ देश आतंकवाद और आतंकियों को चोरी छुपे तो कुछ खुलकर समर्थन, सहायता और हथियार पहुंचा रहे हैं। ऐसे में विश्व से आतंकवाद कैसे समाप्त होगा? बेकसूर लोगों का मरना कैसे रूकेगा? सभी देशों को समझना चाहिए उनके यहां आज भले ही आतंकवाद की समस्या न हो पर भविष्य में वे इस समस्या का शिकार नहीं हो सकते इसकी गारंटी वे नहीं दे सकते। इतिहास गवाह है पहले जिन देशों में आतंकवाद का नाम और निशाना नहीं था वे भी आतंकी हमलों का शिकार हुए हैं। अब तो आतंकवादी और उनके हमले हाईटेक हो गये है, टैंक, मिसाइल, राकेट तक पहुंच गये है। इस आशंका को भी नकारा नहीं जा सकता कि भविष्य में कोई देश इन्हें परमाणु हथियार उपलब्ध करा दे। शक्तिशाली देशों को मानवता की खातिर इन संभावनाओं पर भी विचार कर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए पहल करना चाहिए।

अतः विश्व के सभी देशों को शांति की खातिर, मानवता की खातिर, निरपराध लोगों की निर्मम हत्याओं को रोकने के लिए, आतंकवाद से लड़ने में खर्च हो रहे धन को रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य और विकास हेतु उपलब्ध कराने के लिए-(१) आतंकवादी घटना किसी भी देश में हों, आतंकवादी किसी भी देश का हो, धर्म का हो उसके विनाश के लिए सभी देशों द्वारा मिल कर प्रहार किया जाना चाहिए। विश्व की एक आवाज में आतंकवाद का विरोध होना चाहिए। केवल भर्त्सना से काम नहीं चलेगा (२) किसी भी देश द्वारा घोषित आतंकवादी को अपने यहां शरण और नागरिकता नहीं देनी चाहिए (३) आतंकवादियों को सजा मिल सके और जिनकी जाने गई है उन्हें न्याय मिल सके, इसके लिए आतंकवादियों को पकड़कर तुरंत उस देश को वापिस सौंपना चाहिए, जहां का वो नागरिक हैं और जहां उसने आतंकवादी घटना को अंजाम दिया है। (४) आतंकवादी किसी भी देश का हो उसको फंडिंग और हथियारों की सप्लाई कतई नहीं की जाना चाहिए। (५) सभी देशों में आतंकवादी संगठनों के खाते सीज होना चाहिए (६) किसी भी देश को उसके यहां दूसरे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता के विरुद्ध किसी भी प्रकार की गतिविधियों को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। (७) देश और विदेश में जहां भी आतंकवादी पकड़े जाते हैं उन्हें तुरंत सजा हो सके, ऐसे प्रयास होना चाहिए।

आतंकवाद की समस्या का निरंतर विस्तार हो रहा है। वह नये-नये रूप में नये देशों में अपने पांव पसार रहा है। नवयुवकों को कभी लालच देकर, कभी बरगला कर, कभी धमका कर आतंकवाद की आग में ढकेला जा रहा है। अतः विश्व शांति और निरपराध लोगों की, जवानों की हत्याओं को रोकने के लिए आतंकवाद पर सब देशों को एक मत हो जाना चाहिए। ऐसा करके सभी शांति स्थापना के साथ ना जाने कितनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं, मानव जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

महिला संगठन की अनूठी पहल

पूरे प्रदेश के लिए बनेगी मिसाल

बैतूल : क्षत्रीय लोणारी कुनबी समाज बैतूल के महिला संगठन ने गरीबों और वंचितों के जीवन स्तर को सुधारने और संवारने के लिए अनूठी पहल की है जो पूरे प्रदेश में मिसाल बनेगी। गरीबों के जीवन में रोशनी लाने के लिए कुनबी समाज महिला संगठन ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। अभियान के तहत घरों में पड़े पुराने कपड़ों, खिलौनों, जूतों जैसी निष्प्रयोज्य वस्तुओं को इधर-उधर नहीं फेंकने और इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

महिला संगठन के अनुसार इन वस्तुओं का दान कर किसी गरीब के जीवन में खुशियां ला सकते हैं। रविवार को महिलाओं ने जिला मुख्यालय के अंतर्गत आने वाले पीपला, मांडवा और गाढ़वा गांव में कपड़े एवं अन्य सामग्री वितरित की।

क्षत्रीय लोणारी कुनबी समाज बैतूल महिला संगठन की महिलाओं ने घर से कपड़े, पर्स, बैग ऊनी कपडे आदि वस्तुएं जो किसी समय में इनके लिए अति उपयोगी थी परंतु आज उसका उपयोग नहीं है। ऐसी सामग्री इकट्ठा कर गांव में पहुंचकर जरूरतमंदों में वितरित की। स्कूली बच्चों को प्रश्न उत्तर के माध्यम से उत्तर बताने पर पेंसिल रबर भेंट की। महिला संगठन की अध्यक्ष रेखा बारस्कर ने कहा कि दीपावली की सफाई के बाद हमारे घर में बहुत अच्छी चीजे निकल जाती है जो हमारे लिए अनुपयोगी होती है परंतु वह किसी अन्य के बहुत काम में आ सकती है इसलिए यह निश्चय किया है कि यह सामान गांव तक पहुंचाएं।

पूर्व अध्यक्ष संगीता घोड़की ने स्कूली बच्चों को पढ़ाई हेतु प्रेरित एवं मार्गदर्शित किया। इस अवसर पर संरक्षक सदस्य जयाताई मानकर, लता ताई देशमुख, पूर्व उपाध्यक्ष अलका ताई साबले, कोषाध्यक्ष लता कनाठे, सह कोषाध्यक्ष मनीषा कनाठे, सह उपाध्यक्ष वंदना काले, संयुक्त सचिव कल्पना चढ़ोकर एवं सदस्य ममता बोडखे उपस्थित थीं।

विजय दिवस के बहादुर वीरों के प्रति देश नतमस्तक

भोपाल : राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विजय दिवस के बहादुर वीरों के प्रति पूरा देश नत मस्तक है। राष्ट्र आजीवन उन परिवारों का ऋणी है जिन्होंने अपने सपूतों को मातृभूमि के लिए कुर्बान कर दिया। अंतिम साँस तक लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले हर जवान को मैं नमन करता हूँ। उन्होंने विकसित भारत २०४७ के लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों में आगे बढ़कर सहयोग का प्रदेशवासियों से आह्वान किया है।

मंगुभाई पटेल पूर्व सैनिकों के संगठन इंडियन वेटरंस आर्गनाइजेशन द्वारा शौर्य स्मारक में आयोजित विजय दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शौर्य स्मारक पर विजय दिवस वीर-शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन जोगिन्दर सिंह सेंगर उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि आज से ५२ साल पहले १९७१ के भारत-पाक युद्ध में माँ भारती के वीर सपूतों ने पाकिस्तान के दाँत खट्टे करते हुए बांग्लादेश को आज़ाद कराया था। फ़ील्ड मार्शल जनरल मानेक शॉ के नेतृत्व में ९० हज़ार से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी पूर्व नहीं होता वन्स अ सोल्जर, ऑलवेज़ अ सोल्जर। सेवानिवृत्ति के बाद सैनिकों की ज़िम्मेदारी समाज के प्रति और ज़्यादा बढ़ जाती है। पूर्व सैनिक अपने अनुभव, अनुशासन और राष्ट्र प्रेम की भावना से समाज और युवाओं को संस्कारित करने का कार्य करे। साथ ही समाज के सुरक्षा कवच की भूमिका निभाते हुए युवाओं में स्वदेशी और स्वावलंबन का विकास करें।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सैनिकों, युद्ध में घायल, दिव्यांग सैनिकों सहित सैनिक विधवाओं और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए इंडियन वेटरंस आर्गनाइजेशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन को ग्रामीण क्षेत्रों के पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों और वंचित वर्गों की सहायता के कार्यो को प्राथमिकता देनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जो समाज और राष्ट्र अपने शहीदों का सम्मान करता है, उनके सिद्धांतों और कार्यों से सीखता है, वह हमेशा समृद्धि की ओर बढ़ता है। मंगुभाई पटेल ने कहा कि समाज को सभी शहीद, उनके परिजन और सैनिकों का आदर करना चाहिए। उनकी हरसंभव मदद के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में शहीद सैनिक पत्नियों, वीर नारियों का सम्मान किया। उन्होंने अलग-अलग राज्यों से आए संगठन के प्रतिनिधियों को ट्रॉफ़ी प्रदान की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का कार्यक्रम के प्रारंभ में पुष्पगुच्छ और संगठन के प्रतीक लाल कैप से स्वागत किया गया। स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में इंदौर के ग्रुप ने कृष्ण भक्ति और छिंदवाड़ा के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन जोगिंदर सिंह सेंगर ने स्वागत उद्बोधन दिया और आभार अनिल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ईकाई के अध्यक्ष कैप्टन आर.पी. सिंह, देशभर से आए दिव्यांग सैनिक, वीरनारियाँ, पूर्व और नियमित सैनिक और उनके परिजन उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० हटाने के फ़ैसले को बरकरार रखा

(पृष्ठ १ से)

● संविधान पीठ में शामिल जस्टिस संजय किशन कौल ने जम्मू-कश्मीर में अभी तक हुई हिंसा के मामलों को देखने के लिए एक समिति का गठन करने का भी सुझाव दिया.

अनुच्छेद ३७० क्या था?

● अनुच्छेद ३७० भारतीय संविधान का एक प्रावधान था. यह जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था. यह भारतीय संविधान की उपयोगिता को राज्य में सीमित कर देता था.

● संविधान के अनुच्छेद-१ के अलावा, जो कहता है कि भारत राज्यों का एक संघ है, कोई अन्य अनुच्छेद जम्मू और कश्मीर पर लागू नहीं होता था. जम्मू कश्मीर का अपना एक अलग संविधान था.

● भारत के राष्ट्रपति के पास ज़रूरत पड़ने पर किसी भी बदलाव के साथ संविधान के किसी भी हिस्से को राज्य में लागू करने की ताक़त थी. हालाँकि इसके लिए राज्य सरकार की सहमति अनिवार्य थी.

● इसमें यह भी कहा गया था कि भारतीय संसद के पास केवल विदेश मामलों, रक्षा और संचार के संबंध में राज्य में क़ानून बनाने की शक्तियां हैं.

● इस अनुच्छेद में इस बात की भी सीमा थी कि इसमें संशोधन कैसे किया जा सकता है.

● इसमें कहा गया था कि इस प्रावधान में राष्ट्रपति जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा की सहमति से ही संशोधन कर सकते हैं.

● जम्मू और कश्मीर की संविधान सभा का गठन १९५१ में किया गया था. इसमें ७५ सदस्य थे.

● इसने जम्मू और कश्मीर के संविधान का मसौदा तैयार किया था. ठीक उसी तरह जैसे भारत की संविधान सभा ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया था.

● राज्य के संविधान को अपनाने के बाद नवंबर १९५६ में जम्मू-कश्मीर संविधान सभा का अस्तित्व ख़त्म हो गया था.

● बीजेपी काफ़ी लंबे समय से इस अनुच्छेद को कश्मीर के भारत के साथ एकीकरण की दिशा में कांटा मान रही थी.

चार साल पहले हुआ था ३७० निरस्त

पाँच अगस्त २०१९ को राष्ट्रपति ने एक आदेश जारी किया. इससे संविधान में संशोधन हुआ. इसमें कहा गया कि राज्य की संविधान सभा के संदर्भ का अर्थ राज्य की विधानसभा होगा.

इसमें यह भी कहा गया था कि राज्य की सरकार राज्य के राज्यपाल के समकक्ष होगी. यहां यह महत्वपूर्ण है क्योंकि जब संशोधन पारित हुआ, तो जम्मू कश्मीर में दिसंबर २०१८ से राष्ट्रपति शासन लगा हुआ था.

जून २०१८ में, भाजपा ने पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार से समर्थन वापस ले लिया था. इसके बाद राज्य ६ महीने तक राज्यपाल शासन और फिर राष्ट्रपति शासन के अधीन रहा. सामान्य परिस्थितियों में इस संशोधन के लिए राष्ट्रपति को राज्य विधानमंडल की सहमति की ज़रूरत होती, लेकिन राष्ट्रपति शासन के कारण विधानमंडल की सहमति संभव नहीं थी. इस आदेश ने राष्ट्रपति और केंद्र सरकार को अनुच्छेद ३७० में जिस भी तरीक़े से सही लगे संशोधन करने की ताक़त दे दी.

इसके अगले दिन राष्ट्रपति ने एक और आदेश जारी किया. इसमें कहा गया कि भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू-कश्मीर पर लागू होंगे. इससे जम्मू कश्मीर को मिला विशेष दर्जा ख़त्म हो गया.

९ अगस्त को, संसद ने राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों: जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में बाँटने वाला एक क़ानून पारित किया. जम्मू-कश्मीर में विधानसभा होगी, लेकिन लद्दाख में नहीं होगी. जम्मू-कश्मीर में पाँच अगस्त से लॉकडाउन लगा दिया गया था. वहां कर्फ्यू लगा दिया गया था. टेलीफोन नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं.

इटली ने जीता एडमिरल कप

नई दिल्ली : 'एडमिरल कप' सेलिंग रेगाटा के १२वें संस्करण का समापन ०८ दिसंबर २०२३ को एझिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) के एट्टीकुलम बीच पर एक शानदार अभिनन्दन समारोह के साथ पूरा हुआ। मिडशिपमैन एवलोन एंटोनियो और मिडशिपमैन क्रिएटी कार्लो लियोनार्डो के नेतृत्व में उतरी इटली की टीम ने एडमिरल कप २०२३ पर कब्जा किया। वहीं भारतीय टीम इस प्रतियोगिता की उपविजेता रही। मिडशिपमैन पीपीके रेड्डी और कैडेट जीवाई रेड्डी के प्रतिनिधित्व में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया। ब्रिटेन टीम की कमान ब्रिटिश नौसेना के अधिकारी कैडेट लुसी बेल और मिडशिपमैन आरोन मिडलटन ने संभाली तथा जर्मनी का नेतृत्व जर्मनी के कैडेट बेकमैन कार्ल व कैडेट हिंज एंटोन ने किया। इन दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। रूस के सीमैन गोर्कुनोव पेट्र ने पुरुष वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया, उनके बाद इटली के मिडशिपमैन एवलोन एंटोनियो दूसरे और भारत के मिडशिपमैन पीपीके रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे। ब्रिटेन की ऑफिसर कैडेट लुसी बेल महिला वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा पर पहले स्थान पर रहीं, उनके बाद इंडोनेशिया की कैडेट सांगला एल्मा साल्सडिला ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और भारत की कैडेट जान्हवी सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय नौसेना अकादमी के कमांडेंट वाइस एडमिरल पुनीत के बहल ने समापन समारोह के दौरान विजेताओं को 'एडमिरल कप', उपविजेता की ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। एडमिरल कप में ०५ से ०८ दिसंबर २०२३ तक प्रतियोगिता हेतु निर्धारित दिनों में लेजर रेडियल नौकाओं में प्रतिस्पर्धी नौकायन रेस हुई। ०८ महिला प्रतिभागियों सहित ४३ प्रतिभागियों ने चुनौतीपूर्ण हवा और मौसम की स्थिति में भी लेजर रेडियल में अपने नौकायन कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया, इस दौरान नौकायन के पिछले चार दिनों में उन्होंने स्वयं को अपनी नावों से हर बाधा से बाहर निकाला। यह आयोजन २०१० में अपनी शुरुआत के बाद से बहुत लोकप्रिय हो गया है। एडमिरल कप सेलिंग रेगाटा २०२३ के इस संस्करण में २० देशों तथा भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला की भारतीय टीमों ने भाग लिया। पिछले पांच दिनों के दौरान, मेहमान विदेशी टीमें और उनके साथ आए अधिकारी प्रतिस्पर्धी रेसिंग के अलावा विभिन्न गतिविधियों में भी शामिल हुए।

महिलाओं की सुरक्षा

नैशनल क्राईम रिकॉर्ड्स ब्युरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकडे चौकाने वाले हैं, विशेषतः महिलाओं पर भारत में होने वाले अत्याचारों के मामले। रिपोर्ट कहता हैं कि २०२२ में महिलाओं पर हुए अत्याचारों के करीब साढ़े चार लाख मामले दर्ज किए गए। इसका मतलब यह होता है कि हर घंटे ५१ एफआईआर! एनसीआरबी, एक सरकारी एजेंसी हैं, जो अपराध डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने का काम करती है। वह एक वार्षिक रिपोर्ट जारी करती है जो देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती है। एनसीआरबी की रिपोर्टें लगातार बलात्कार के दर्ज मामलों में चिंताजनक वृद्धि का खुलासा करती हैं। पिछला साल तो ज्यादा चिंताजनक था। कुछ लोगों का तर्क है कि यह वृद्धि बढ़ती जागरूकता और रिपोर्टिंग के कारण है, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बड़ी संख्या में मामले अभी भी रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं। आर्थिक दबाव, पुरातन रीति-रिवाज और लैंगिक पूर्वाग्रह का मेल इस जघन्य अपराध को कायम रखने में योगदान देता है। महिलाओं पर होने वाले अत्याचार तथा दहेज मौतों के मामलों को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें कानूनी सुधार, जागरूकता अभियान और सामुदायिक हस्तक्षेप शामिल हों। घरों की सीमा के भीतर, महिलाएं अक्सर अपने परिवार के सदस्यों के हाथों चुपचाप पीड़ा सहन करती हैं। एनसीआरबी रिपोर्ट घरेलू हिंसा की व्यापकता को भी रेखांकित करती है और हमारी इस धारणा को चुनौती देती है कि ऐसे मुद्दे निजी मामले हैं। गरीबी, शिक्षा की कमी और सीमित आर्थिक अवसर महिलाओं के शोषण के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं। शिक्षा, कौशल विकास और आर्थिक अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना असुरक्षा की जंजीरों को तोड़ने में एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में सोचा जाना चाहिए। जबकि भारत ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कई कानून बनाए हैं। कम सजा दर और न्याय वितरण में देरी इन कानूनों के कार्यान्वयन और कार्यान्वयन के बारे में चिंताएं बढ़ाती है। कानूनी प्रणाली को मजबूत करना, त्वरित न्याय सुनिश्चित करना और मौजूदा कानूनों में खामियों को दूर करना पीड़ितों में विश्वास पैदा करने के लिए जरूरी है। महिलाओं के

खिलाफ अपराध सिर्फ कानूनी मुद्दे नहीं हैं; वे सांस्कृतिक दृष्टिकोण और सामाजिक मानदंडों में गहराई से निहित हैं। शिक्षा, जागरूकता अभियान और सामुदायिक सहभागिता जड़ जमाई गई रूढ़िवादिता को चुनौती देने और एक ऐसे समाज को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है जो अपनी महिलाओं का सम्मान करता है और उन्हें महत्व देता है। इन अपराधों की छाया को सामूहिक प्रयासों से ही दूर किया जा सकता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना होना चाहिए जहां महिलाओं को न केवल कानूनों द्वारा संरक्षित किया जाए बल्कि उन्हें समान सदस्यों के रूप में सम्मान और महत्व दिया जाए। आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह एक ऐसी यात्रा है जिसे भारत को अपनी महिलाओं की भलाई और सम्मान के लिए शुरू करना होगा। जब तक हमारा समाज हमारी माँ-बेटी-बहनों को सुरक्षित वातावरण देने के लिए शिद्दत से कोशिश नहीं करेगा तब तक हम सही मायने में विकसित देश बनने की दिशा में आगे नहीं बढ पाएंगे। महिलाओं को आधी दुनियां कहा जाता है। अगर आधी दुनियां बची हुई आधी दुनियां से पीड़ित है, घबराई हुई है, तो जरूरत है कि हमारी सुधारणा की अवधारणाओं को फिर से परिभाषित करना होगा।

सिंघाडे खाने के फायदे

सिंघा?डे के सेवन के फायदे यह तो सभी जानते हैं कि सिंघा?डा पानी में उगने वाला फल है और इसका सेवन ज्यादातर व्रत के दौरान किया जाता है, लेकिन इसके फायदों के बारे में शायद कम ही लोग जानते हैं।

चाहे इसे कच्चा खाएं, उबालकर खाएं या इसके आटे का इस्तेमाल करें, यह हर तरह से बहुत फायदेमंद है। विटामिन सी, मैंगनीज, प्रोटीन, थायमिन और अन्य पोषक तत्वों की उपस्थिति के कारण यह स्वास्थ्य का रक्षक भी है।

बालों के लिए फायदेमंद: लॉरिक एसिड के कारण होने वाली बालों की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए घोंघा खाना बहुत फायदेमंद माना जाता है। ये तत्व बालों को मजबूत बनाते हैं।

हड्डियों और दांतों की सुरक्षा: सींग कैल्शियम से भरपूर होते हैं। ऐसे में अगर हम इसका नियमित सेवन करते हैं तो इसका सीधा असर हमारी हड्डियों और दांतों की मजबूती पर प?डता है।

थायराइड: आयोडीन और मैंगनीज की प्रचुर मात्रा के कारण घोंघा खाना थायराइड की समस्या वाले लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। आयोडीन गले से जु?डी बीमारियों से बचाता है और थायराइड की स्थिति में इसका सबसे ज्यादा असर गले पर प?डता है। खूब सारे सींग खाओ।

शरीर में नहीं होगी पानी की कमी : सभी जानते हैं कि पानी के बिना इस फल के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती, इसलिए इसमें पानी की प्रचुर मात्रा होना स्वाभाविक है। कई बार किसी छोटी-मोटी बीमारी के कारण या कम पानी पीने के कारण, इतना ही नहीं बल्कि गर्मियों में ज्यादा पसीना आने के कारण भी हमारा शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। अगर आपको घोंघे खाने की आदत है तो शरीर में पानी की कमी जैसी समस्या नहीं होगी।

कब्ज की दुश्मन: स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, दालचीनी आंतों के लिए बहुत फायदेमंद है। अगर आप पेट की समस्याओं खासकर कब्ज से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको बिना देर किए जलकुंभी पीने की आदत डाल लेनी चाहिए। फिर तुम्हें जो चाहे खाना प?डेगा. इसमें कोई संदेह नहीं है कि शरीर में आधे से ज्यादा छोटी-मोटी बीमारियाँ पेट प्रणाली (पाचन तंत्र) की खराबी के कारण होती हैं।

आरामदायक नींद के लिए घरेलू उपाय

अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम आवश्यक है। लेकिन पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है। आजकल रात को अच्छी नींद मिलना दुर्लभ है। लंबे समय तक काम करने, स्ट्रेस, टेंशन के कारण नींद अच्छी नहीं आती।

हममें से कई लोगों ने इसका अनुभव किया है। नींद न आने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन इससे सेहत पर असर प?डता है और परेशानियां पैदा होती हैं। अपर्याप्त नींद का असर काम पर भी प?डता है. बेहतर कामकाज के लिए आरामदायक नींद जरूरी है। इससे मन शांत, प्रसन्न रहता है और शरीर को ऊर्जा मिलती है। तो आरामदायक नींद पाने के लिए यह घरेलू उपाय बहुत फायदेमंद है। यह समाधान बहुत सरल है.

- खसखस को तवे पर हल्का सुनहरा होने तक भून लीजिए. - फिर खसखस को पीस लें. - फिर गर्म दूध में जायफल और खसखस का पाउडर मिलाएं. अच्छी तरह मिला लें और दूध पी लें. यह निश्चित रूप से आपको आरामदायक नींद पाने में मदद करेगा।

थर्टी फर्स्ट से पहले ही बढने लगा है प्रदूषण

अस्थमा के मरीज रखें अपना ख्याल

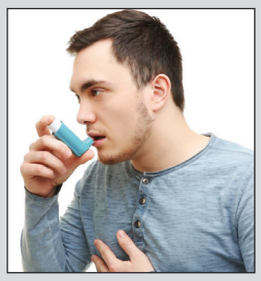

बढते प्रदूषण ने लोगों का सांस लेना मुश्किल कर दिया है। दिवाली से पहले ही हवा प्रदूषित होने लगती है। ऐसे में अगर आप सांस के मरीज हैं तो यह आपके लिए कठिन समय है।

इसलिए सांस के मरीजों को इस समय अपना खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि बढते प्रदूषण के कारण अगर सांस के मरीज अपना ख्याल नहीं रखेंगे तो अस्थमा का अटैक आ सकता है। इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अस्थमा के मरीजों को कैसे अपना ख्याल रखना चाहिए।

अस्थमा के मरीज रखें अपना ख्याल-

१- अस्थमा के मरीज अगर बाहर जा रहे हैं तो उन्हें अपना खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए उन्हें हमेशा अपने साथ इनहेलर रखना चाहिए।

२- अस्थमा के मरीजों को सबसे ज्यादा ध्यान अपने खान-पान पर देना चाहिए। इसके लिए अस्थमा के मरीजों को एक ही समय पर खाना नहीं खाना चाहिए। सांस के रोगियों को हर २ घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए। तैलीय भोजन न करें क्योंकि इससे गले में खराश हो सकती है। इससे घुटन महसूस हो सकती है।

३- अगर आप अस्थमा के मरीज हैं तो रोज रात को सोने से पहले गर्म पानी पिएं, इससे आपका पाचन ठीक रहेगा। और आपको सांस लेने में परेशानी नहीं होती है।

४- सांस के मरीजों को रोजाना हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इसे रोज रात को पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता ब?ढती है। ऐसा करने से सांस लेने में परेशानी नहीं होती है।

५- सांस के रोगियों को ऐसी जगहों पर नहीं जाना चाहिए जहां बहुत ज्यादा पटाखे फूट रहे हों। अगर जा भी रहे हैं तो अपना चेहरा रूमाल से ढक लें।

सुबह टहलों, रहो तरोताजा

विशेषज्ञों का कहना है कि सुबह टहलने से व्यक्ति को दिनभर तरोताजा रहने में मदद मिलती है। सुबह के समय वातावरण में ओजोन की मात्रा अधिक होने से व्यक्ति को यह ताजगी मिलती है। ओजोन स्वाभाविक रूप से होता है।

जब बिजली के साथ बारिश होती है, तो करंट ऑक्सीजन को ओजोन में बदल देता है। उस बारिश के बाद हम तरोताजा और खुश महसूस करते हैं। इसका कारण वायुमंडल में ओजोन की मात्रा है।

वायुमंडल में ऑक्सीजन ओजोन में परिवर्तित हो जाती है। वातावरण में ओजोन की मात्रा सुबह के समय अधिक होती है। इसलिए अगर आप सुबह टहलने जाते हैं तो आपको ओजोन मिलता है, जिससे सेहत में सुधार होता है। मानसिकता में बदलाव आ रहा है। यह अपना स्तर बढ़ाता है। वायु प्रदूषण के कारण हवा में जहरीली गैसें हर जगह फैल गई हैं। यह मानव जीवन के साथ-साथ पौधों और जानवरों को भी नष्ट कर देता है।

मोटापा कम करने के लिए अपने डिनर में ये करें शामिल

कई लोगों को वजन बढ़ने की चिंता रहती है इसलिए डाइटिंग, एक्सरसाइज, प्रोटीन शेक और भी कई उपाय अपनाए जाते हैं लेकिन एक चीज जिस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है वह है रात का खाना।

क्योंकि यह लंच से ज्यादा असरदार है। क्योंकि रात को ज्यादा कैलोरी खाने से शरीर में फैट के रूप में जमा हो जाता है और वजन बढ़ने लगता है। रात के खाने के लिए खास टिप्स-

- भोजन करते समय समय का ध्यान रखना चाहिए अर्थात दोपहर के भोजन और रात के खाने के बीच सात घंटे का अंतर होना चाहिए और यदि बीच में भूख लगे तो हल्का भोजन करना चाहिए।
- रात के खाने के लिए पौष्टिक भोजन का चुनाव करना चाहिए।
- रात के खाने की शुरुआत सलाद से करें जिसमें कैलोरी कम हो।
- फाइबर युक्त सब्जियां और सलाद लेना चाहिए।
- फाइबर पेट को देर तक भरा रखता है और वजन घटाने में मदद करता है।
- शाम के खाने में गेहूं के दलिया से परहेज करें तो अच्छा होगा। आप ब्रेड शामिल कर सकते हैं। यह पाचन में सुधार करता है।
- रात को खाना खाने के तुरंत बाद सोने की सलाह नहीं दी जाती है और देर तक टीवी और मोबाइल फोन देखने से भी बचना चाहिए।
- देर तक न सोने से आपको बार-बार भूख लगती है और ऐसे में आप वजन बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं।
- पेट की चर्बी कम करने के लिए सोने से पहले ग्रीन टी, कैमोमाइल टी, दालचीनी की चाय आदि को शामिल किया जा सकता है क्योंकि इनमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं।

काम का तनाव कैसे कम करें

- खुद को कर दें रीचार्ज
- भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ मिनट अपने लिए निकालें।
- इसके लिए आप गाने सुनें, मीटिंग या काम के बीच में फनी वीडियो देखें। ऐसा करके आप तनाव को कम कर सकते हैं। इसके अलावा छुट्टियों के दौरान अपने फोन और लैपटॉप से दूर रहना जरूरी है।
- समय प्रबंधन कौशल में सुधार करें

कभी-कभी तनाव महसूस करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कितने व्यस्त हैं। तनाव कम करने के लिए अपने सप्ताह की योजना बनाएं ताकि आप ज्यादा सोचने से बच सकें।

- मजबूत नेटवर्क बनाएं - तनाव कम करने के लिए आप अच्छे लोगों के साथ बैठते हैं। अगर आप तनाव से मुक्ति पाना चाहते हैं तो आपको बाहर दोस्तों के साथ समय बिताना चाहिए। ऐसा करने से आप बेहतर महसूस करेंगे।
- योग करें - योग न केवल आपके शरीर को फिट रखता है बल्कि तनाव को भी दूर करता है। जी हां, रोज सुबह योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से आप ऑफिस के तनाव से छुटकारा पा सकते हैं।

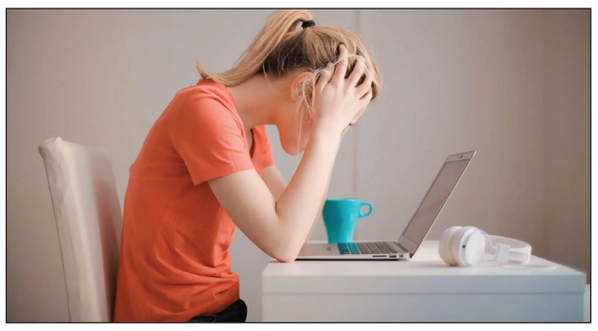

आप भी रात को देर से सोते हैं;

जाने बीमारियों का खतरा

एक स्वस्थ शरीर के लिए, विशेषज्ञ एक उचित नींद चक्र बनाए रखने पर विशेष जोर देते हैं, एक निर्धारित नींद-जागने के समय और नींद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हैं। नींद की गुणवत्ता का समग्र स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं उनमें कई तरह की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का खतरा अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि नींद की गुणवत्ता के साथ-साथ उसकी अवधि का भी ध्यान रखना जरूरी है, अक्सर लोगों को अपनी नींद के चक्र से बड़ी समस्या होती है, कई लोगों की आदत होती है कि वे देर रात तक जागते हैं। यह आदत सामान्य लग सकती है, लेकिन यह कई तरह से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक सभी लोगों को रात में ६-८ घंटे सोने की सलाह दी जाती है। इसी वजह से रात १० बजे से सुबह ६ बजे तक सोने का समय सबसे अच्छी नींद मानी जाती है, लेकिन ज्यादातर लोग १२-१ बजे के बीच सोते हैं। यह आदत आपके नींद चक्र को बाधित करती है, जिससे नींद की कमी के कारण आपको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने का खतरा होता है।

उच्च रक्तचाप का खतरा

नींद के चक्र में व्यवधान के कारण उच्च रक्तचाप स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। कई अध्ययनों के निष्कर्ष में, शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग देर रात तक जागते हैं उनमें अन्य लोगों की तुलना में उच्च रक्तचाप विकसित होने का खतरा अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह साधारण सी आदत आपके मेटाबोलिक चक्र को भी बाधित कर सकती है, जो आपको कई समस्याओं के खतरे में डालती है।

व्यायाम करने के लिए समय की कमी

देर से सोने वाले भी स्वाभाविक रूप से सुबह देर से उठते हैं, इसलिए ऐसे लोगों के लिए सुबह व्यायाम करना अक्सर मुश्किल होता है। जर्नल हेल्थ प्रमोशन एंड क्रॉनिक डिजीज प्रिवेंशन में प्रकाशित एक अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि देर से सोने वालों में अन्य लोगों की तुलना में गतिहीन जीवन शैली की समस्या होने की संभावना अधिक होती है, जो समग्र स्वास्थ्य पर बहुत नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

वजन बढ़ने का खतरा

कुछ विशेषज्ञों की राय है कि देर तक सोने की आदत आपके भोजन के समय पर भी असर डालती है, जिसका सीधा असर वजन बढ़ने की समस्या पर पड़ता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आप देर से सोते हैं तो आपके ब्रेकफास्ट मिस करने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा, यह पूरे खिला चक्र को भी प्रभावित कर सकता है। यह आदत वजन को प्रभावित कर सकती है, जिससे लोगों को वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है - मोटापा, जो कई बीमारियों के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है।

विशेष नोट : यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारी पर आधारित है। कृपया इसे लागू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।

हल्दी वाले पानी से रोज चेहरा धोने के फायदे

हल्दी का पानी कैसे बनाएं?

- हल्दी का पानी बनाने के लिए सबसे पहले एक कड़ाही लें।
- फिर १ गिलास पानी और १ चम्मच हल्दी डालें।
- इसके बाद आप इसे अच्छे से उबाल लें और पूरी तरह ठंडा होने दें।
- इसके बाद आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं और अच्छे से धो लें।

त्वचा के लिए हल्दी के पानी के फायदे

- रोज सोने से पहले हल्दी के पानी से चेहरा धोने से त्वचा से अतिरिक्त तेल निकालने में मदद मिलती है।

साथ ही चेहरे पर नेचुरल ग्लो भी आता है।

- प्राचीन काल से ही हल्दी को दुल्हन के विवाह समारोह में शामिल किया जाता रहा है। हल्दी के पानी को चेहरे पर लगाने से दाग-धब्बे दूर होते हैं। साथ ही आपके चेहरे की रंगत भी निखरती है
- हल्दी में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। इसलिए अगर आप रोज हल्दी वाले पानी से चेहरा धोते हैं तो चेहरे पर कील-मुंहासों की समस्या दूर होने लगती है।
- हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं इसलिए अगर आप त्वचा के लिए हल्दी के पानी का इस्तेमाल करते हैं तो आपको चेहरे पर होने वाली जलन और खुजली से राहत मिलती है।

हल्दी के पानी का इस्तेमाल कैसे करें?

- रोज रात को सोने से पहले हल्दी के पानी से चेहरा धोएं।
- इसके नियमित इस्तेमाल से आपको कमाल के फायदे देखने को मिलेंगे।

क्या आप फ्रिज का ठंडा पानी पी रहे हैं?

गर्मी में पाचन तंत्र धीमा हो जाता है। ऐसे में लोग लिक्विड फूड खाना पसंद करते हैं। तरह-तरह के पेय जैसे जूस, नारियल पानी ज्यादा पिया जाता है।

साथ ही अगर शरीर से पसीना ज्यादा निकलता है तो ज्यादा पानी पीने की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञों के अनुसार आपको दिन में सात से आठ गिलास पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिन बाहर आने के बाद अपनी प्यास बुझाने के लिए फ्रिज में रखी बोतल से ठंडा पानी पीते हैं। ठंडा पानी पीने से ऐसा लगता है कि धूप से परेशानी कुछ कम हो जाती है। लेकिन पानी का तापमान स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। लोग फ्रिज का पानी पीते हैं क्योंकि वे गर्मियों में ठंडा, ताज़ा पानी पीना चाहते हैं। लेकिन फ्रिज का ठंडा पानी पीना सेहत के लिए हानिकारक होता है।

एसिडिटी हो सकती है

फ्रिज का ठंडा पानी पीना कई बीमारियों को न्यौता देता है। ठंडा पानी शरीर को असंतुलित करता है। जो सीधे पाचन क्रिया को प्रभावित करता है और पाचन तंत्र को धीमा कर देता है। साथ ही ठंडा पानी पीने के और भी साइड इफेक्ट होते हैं। ठंडा पानी पीने से एसिडिटी हो सकती है। ज्यादा ठंडा पानी पीने से पाचन क्रिया प्रभावित होती है। इसलिए खाना पचता नहीं है। पाचन क्रिया धीमी होने से पेट दर्द और एसिडिटी के साथ-साथ कब्ज जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

ब्रेन फ्रीज होने की समस्या

धूप से निकलने के तुरंत बाद ठंडा पानी या बर्फ का पानी पीने से ब्रेन फ्रीज हो सकता है। साथ ही यह आपकी रीढ़ की कई नसों को प्रभावित करता है। यह मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है और सिरदर्द पैदा कर सकता है। साइनस की समस्या वाले लोगों को ज्यादा ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए।

हृदय गति घट जाती है

ठंडे पानी पीने से हृदय गति कम होने की आशंका होती है। क्योंकि इसका सीधा असर वेगस नर्व पर पड़ता है। चूंकि पानी का तापमान कम होता है, यह वेगस तंत्रिका को प्रभावित करता है। और यह हृदय गति को प्रभावित कर सकता है।

वजन बढ़ता है

ठंडा पानी पीने से शरीर में फैट बर्न नहीं होता बल्कि फैट बढ़ता है। यह वजन बढ़ाता है। इसलिए अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो ठंडा पानी पीने से बचें।

गला खराब होना

ठंडा पानी पीने से गला खराब हो जाता है। भोजन के बाद ठंडा पानी पीने से बलगम का निर्माण हो सकता है और वायुमार्ग अवरुद्ध हो सकता है। इसलिए गला दुखता है। साथ ही सर्दी, गले में सूजन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

नकारात्मक विचारों को रोकना चाहते हैं तो करे यह उपाय

खराब लाइफस्टाइल और बिजी शेड्यूल का भी आपके मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है। कई बार आप ऐसी चीजों के बारे में बहुत ज्यादा नकारात्मक सोचने लगते हैं। यह कई बार तनाव और अवसाद का कारण भी बन जाता है।

नकारात्मक सोच न सिर्फ आपको तनाव में रखती है बल्कि यह आपके करियर के लिए भी अच्छा नहीं है। यह आपको बहुत दूर नहीं ले जाता है। यह आपको दुखी करता है। इसलिए किसी को कितना भी सुख मिल जाए, उसका खुलकर आनंद नहीं लिया जा सकता।

ऐसे में नकारात्मक विचारों से दूर रहने की जरूरत है। नकारात्मक विचारों को रोकने के लिए कुछ टिप्स भी अपना सकते हैं।

भूत और भविष्य के बारे में ज्यादा न सोचें। इससे आपको परेशानी हो सकती है। कई बार हम पिछले कष्टों के बारे में सोचते हुए भी अपने ही प्रतिशत में उदास रहते हैं। इसके साथ ही कई बार हम अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर बहुत स्पष्ट नहीं होते हैं। इसलिए अपने लक्ष्य स्पष्ट रखें। इसकी मदद से आप सही दिशा में आगे बढ़ पाएंगे।

बहुत से लोग अपने जीवन की तुलना दूसरों से करते हैं। लेकिन यह सही नहीं है। हर किसी का जीवन अलग होता है। सबकी स्थिति अलग होती है। यदि आप सोचते हैं कि वे कितनी आगे बढ़ चुके हैं, तो आप कितना पीछे रह गए हैं।

इससे आपका आत्मविश्वास कम होता है। ऐसा लगने लगता है कि आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। यह अच्छा नहीं है। इसलिए दूसरों से अपनी तुलना करने से बचें।

उन लोगों के साथ ज्यादा समय बिताएं जो आपको सकारात्मक महसूस कराते हैं। जिन लोगों के साथ आप अच्छा महसूस करते हैं। उनकी मदद से आप खुद को नकारात्मक विचारों से बचा सकते हैं।

दूसरों से ज्यादा उम्मीद न करें। जब कोई आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता है तो आप बहुत दुखी होते हैं। अपने अस्तित्व पर ध्यान दें। अपने जीवन को सफल बनाने का प्रयास करें। दूसरों की बजाय खुद की उम्मीदों पर खरा उतरें।

अवॉर्ड की दौड़ में मोहम्मद शमी का नाम

बीसीसीआई की सिफारिश पर लिस्ट में नाम जोड़ा, चिराग-सात्विक खेल रत्न के लिए रिकमेंड

नई दिल्ली : नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन जारी हो चुके हैं। बीसीसीआई ने अर्जुन अवॉर्ड के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नॉमिनेट किया है। ३३ साल के शमी का नॉमिनेशन की शुरुआती सूची में नहीं था, ऐसे में BCCI ने मंत्रालय से उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े खेल अवॉर्ड की लिस्ट में शामिल करने की गुजारिश की। इसके बाद शमी को अर्जुन अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया।

शमी के अलावा १७ अन्य खिलाड़ियों को भी अर्जुन के लिए नामित किया गया है। सात्विक साईराज रैंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

शमी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम की सिफारिश वर्ल्ड कप २०२३ शानदार प्रदर्शन के आधार पर की गई है। उन्होंने ७ मैचों में सबसे ज्यादा २४ विकेट लिए थे। वर्ल्ड कप फाइनल में हार के बाद जब पीएम मोदी टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे थे, तो उन्होंने भी शमी को गले लगाकर उनके प्रदर्शन की तारीफ की थी।

की जोड़ी ने इस साल ३ बीडब्ल्युएफ टाइटल जीते

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। इस जोड़ी ने ३ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। इस जोड़ी ने इंडोनेशिया सुपर १०००, कोरिया सुपर ५०० और स्विस सुपर ३०० के खिताब जीते हैं। इस जोड़ी

को के अंत में चाइना मास्टर्स ७५० के फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा।

५ कोच बनेंगे द्रोणाचार्य

कोचिंग में सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए ५ लोगों को नामित किया गया है। इनमें गणेश प्रभाकरन (मल्लखंभ), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह शामिल हैं।

रोहित का वर्ल्डकप फाइनल में हार के बाद पहला रिएक्शन

मुंबई : टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का वर्ल्ड कप २०२३ के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद पहला रिएक्शन आया है। करीब २३-२४ दिन बाद पहली बार रोहित कैमरे के सामने नजर आए।

उन्होंने कहा- नहीं पता था कि कैसे इससे बाहर निकलूं। पहले कुछ दिनों में मुझे कुछ नहीं पता था क्या करूं। मेरी फैमिली, मेरे दोस्तों ने चीजों को आसान किया और मेरा साथ दिया, लेकिन मूव ऑन करना आसान नहीं था।

रोहित शर्मा के इंटरव्यू का यह वीडियो उनकी मैनेजिंग टीम ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से बुधवार को पोस्ट किया गया। इस वीडियो को मुंबई इंडियंस (चख) ने भी ट्वीट किया है। बता दें कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में १९ नवंबर को फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को ६ विकेट से हराया था।

मैं टीम के लिए काफी महसूस करता हूं

रोहित ने कहा- मैं हमेशा ५० ओवर का वर्ल्ड कप देखकर बड़ा हुआ हूं। ५० ओवर का वर्ल्ड कप मेरे लिए सर्वोच्च पुरस्कार था। हमने उस वर्ल्ड कप के लिए इतने सालों तक काम किया था। यह काफी निराशाजनक होता है, जब आपने सब अच्छा किया, जो कर सकते थे आपने किया।

अगर मुझसे कोई पूछेगा कि आपने क्या गलत किया तो मेरे पास जवाब नहीं होगा। हमने

१० मैच जीते। परफेक्ट कभी कोई नहीं होता आप जीतते हैं तब भी गलतियां करते हैं। मैं टीम के लिए काफी गर्व महसूस करता हूं।

आसान नहीं कैसे उससे बाहर निकलूं

कप्तान ने आगे कहा- फाइनल के बाद मेरे लिए आसान नहीं था कैसे उससे बाहर निकलूं। मैंने कहीं दूर जाने का फैसला किया जहां इससे बाहर निकल पाऊं, लेकिन सभी का शुक्रिया कि वर्ल्ड कप कैम्पेन के दौरान हमें इतना सपोर्ट किया। एक-डेढ़ महीने लोगों हमारा साथ दिया, स्टेडियम आए, हमें सपोर्ट किया। उन सभी का बहुत शुक्रिया।

मुझे उन सभी के लिए बुरा लगा, लेकिन सबसे अच्छी बात थी कि जब मैं लोगों से मिला उन्होंने हमें समझा। उनके अंदर गुस्सा नहीं था बल्कि उनसे प्यार मिला। इससे हम सभी को खासकर मुझे मिली और मैं आगे बढ़ पा रहा हूं।

जीत हमारे नसीब में नहीं थी: अश्विन

अश्विन ने कहा, 'जीत हमारे नसीब में नहीं थी। यह टीम अनुभवी थी। हर किसी को पता था कि उसे क्या करना है और फिर खिलाड़ी प्रोफेशनल हैं। हर कोई अपना रुटीन और वॉर्मअप है। मेरे ख्याल से दोनों नेचुरल लीडर्स ने टीम में इस तरह की बॉन्डिंग बनाई।'

रोहित ने एडवांस लेवल की लीडरशिप की

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पर बात करते हुए अश्विन ने कहा- अगर आप भारतीय क्रिकेट को देखें तो हर कोई कहेगा कि एमएस धोनी सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में एक हैं। रोहित शर्मा एक शानदार व्यक्ति हैं। वो टीम में प्रत्येक व्यक्ति को समझते हैं। वो जानते हैं कि हममें से हर किसी को क्या पसंद और क्या नापसंद है।

उनकी समझ शानदार है। वो प्रत्येक सदस्य को निजी तौर पर जानने का प्रयास करते हैं। रोहित प्रयास हैं कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति को रणनीति समझाई जाए। यह भारतीय क्रिकेट में एडवांस स्तर की लीडरशिप है।

विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहली बार पहुंचा हरियाणा

तमिलनाडु को ६३ रन से हराया; चोटिल इंद्रजीत मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने आए

नई दिल्ली : हरियाणा विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल पहली बार पहुंचा। बुधवार को टूर्नामेंट के खेले गए पहले सेमीफाइनल में तमिलनाडु को ६५ रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने सात विकेट पर २९३ रन बनाए। २९४ रन के टारगेट का पीछा करने उतरी तमिलनाडु ४७.१ ओवर में २३० रन बनाकर आउट हो गई। वहीं की वजह से बाबा इंद्रजीत को मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने के लिए आना पड़ा।

हिमांशु राणा रहे हरियाणा के जीत के हीरो

हरियाणा के जीत के हीरो हिमांशु राणा रहे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद खराब रही। हरियाणा को पहला झटका ६.१ ओवर १४ रन पर लगा। ओपनर अंकित कुमार १२ रन बनाकर आउट हो गए। उनका कैच बाबा इंद्रजीत ने टी नटराजन की गेंद पर पकड़ी। पहले पावर प्ले यानी १० वें ओवर तक हरियाणा ने १ विकेट खोकर २७ रन ही बना पाई।

उसके बाद हिमांशु राणा और दूसरे ओपनर सिंह ने हरियाणा की पारी को संभाला। दोनों के बीच १३४ गेंदों पर १३२ रन की साझेदारी हुई। युवराज सिंह ७९ गेंदों पर ६५ रन बनाकर २८.३ ओवर में आउट हो गए। उस समय टीम का स्कोर १४६ रन था। उसके बाद राणा ने सातवें विकेट के लिए सुमित के साथ ४२ गेंदों पर ७५ रन की पार्टनरशिप की। हिमांशु राणा ने ११८ गेंदों पर ११६ रन बनाए। जबकि सुमित कुमार ने ३० गेंदों पर ४८ रन बनाए।

९ रन के अंदर तमिलनाडु के गिरे दो विकेट

२९४ रन के टारगेट का पीछा करने उतरी तमिलनाडु की शुरुआत बेहद खराब रही। उसके दो विकेट ९ रन पर ही गिर गए। वहीं तमिलनाडु ने पहले पावर प्ले में २ विकेट के नुकसान पर ३३ रन बनाए।

बाबा इंद्रजीत रहे तमिलनाडु के टॉप स्कोरर

तमिलनाडु की ओर से बाबा इंद्रजीत टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने ७१ गेंदों पर ६४ रन बाबा इंद्रजीत मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने आए थे। फील्डिंग के दौरान वह चोटिल हो गए थे। उनके होंठ पर चोट लगी थी। इस वजह से वह मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने उतरे।

बाबा इंद्रजीत के अलावा कप्तान दिनेश कार्तिक ने ३५ गेंदों पर ३१ रन बनाए। जगदीशन ने ५५ गेंदों पर ३३ रन बनाए। वहीं विजय शंकर ने ३५ गेंदों पर २३ रन बनाए।

अंशुल कंबोज ने लिए चार विकेट

हरियाणा के लिए अंशुल कंबोज ने ९ ओवर में ३० रन देकर सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। राहुल तेवतिया ने ८.१ओवर में ५० रन देकर विकेट लिए।

अंडर-१९ मेंस वर्ल्ड कप लिए भारतीय टीम का ऐलान

उदय सहारन को सौंपी कप्तानी, १९ जनवरी से साउथ अफ्रीका में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली : अंडर-१९ मेंस वर्ल्ड कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। इउउख ने मंगलवार को १५ प्लेयर्स का स्क्वाड जारी किया है। जूनियर सिलेक्शन कमेटी ने उदय सहारन को कप्तान चुना है। टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका के ५ वेन्यू पर १९ जनवरी से ११ फरवरी के बीच खेला जाएगा, जिसमें कुल ४१ मैच होंगे।

भारतीय दल में १५ चयनित खिलाड़ियों अलावा, ३ स्टैंडबाय प्लेयर्स को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, ४ एक्स्ट्रा रिजर्व प्लेयर्स भी हैं। रिजर्व खिलाड़ी टीम के साथ साउथ अफ्रीका नहीं जाएंगे।

पंजाब के उदय सहारन को टीम की कप्तानी सौपी गई है। वहीं, मध्यप्रदेश के सौम्य पांडे टीम के रहेंगे। चयन समिती ने देशभर से टैलेंट चुने है। इसमें से महाराष्ट्र से दो और हैदराबाद से दो खिलाड़ी हैं। दूसरे राज्यों से एक-एक खिलाड़ी शामिल है।

सहारन अंडर-१९ एशिया कप में भी भारत की कप्तानी कर रहें है, जो कि ८ दिसंबर से णअए में खेला जा रहा १७ दिसंबर को टूर्नामेंट का फाइनल होगा।

इस साल अंडर-१९ वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट में होगा। ४ ग्रुप में १६ टीमें हिस्सा लेंगी। ग्रुप की टॉप ३ टीम सुपर-६ के लिए क्वालिफाइ करेंगी। सुपर ६ में ६-६ टीमों के दो बनाए जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-२ टीमों के बीच सेमीफाइनल होगा और जीतने वाले दोनों देशों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

अब तक टूर्नामेंट १४ बार खेला गया, भारत मौजूदा चैंपियन है। टीम ट्रॉफी बचाने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम ने २०२० में अंडर-१९ वर्ल्ड कप जीता था। भारत के नाम सबसे ज्यादा मेंस अंडर-१९ खिताब हैं (५)। ऑस्ट्रेलिया ने ३ और पाकिस्तान ने २ बार टूर्नामेंट जीता है। वहीं बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने एक-एक खिताब अपने नाम किया है। श्रीलंका और न्यूजीलैंड जैसी टॉप टीमें एक-एक बार रनर-अप बन सकी हैं।

अंडर-१९ वर्ल्ड कप के लिए भारत का अंडर-१९ स्क्वाड

स्क्वाड : अर्शिन कुलकर्णी (महाराष्ट्र), आदर्श सिंह (उत्तर प्रदेश), रूद्र मयूर पटेल (गुजरात), सचिन दास (महाराष्ट्र), प्रियांशु मोलिया(बड़ौदा), मुशीर खान (मुंबई), उदय सहारन (कप्तान) (पंजाब), अरवेल्ली अवनीश राव (हैदराबाद), सौम्य कुमार पांडे (वीसी) (मध्य प्रदेश), मुरुगन अभिषेक (हैदराबाद) महाजन (थध) (हिमाचल प्रदेश) , धनुष गौड़ा (कर्नाटक), आराध्या शुक्ला (पंजाब), राज लिम्बनी (बड़ौदा) और नमन तिवारी (उत्तर प्रदेश)

स्टैंडबाय खिलाड़ी : प्रेम देवकर (मुंबई), अंश गोसाईं (सौराष्ट्र) और मो. अमान (उत्तर प्रदेश)

रिजर्व खिलाड़ी : दिग्विजय पाटिल, जयंत गोयत, पी विग्नेश और किरण चोरमले।

शम्सी ने 'शू' सेलिब्रेशन किया

रिंकू के सिक्स से स्टेडियम का कांच टूटा

भारत और द. अफ्रीका मैच के मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स

गाकबेर्हा : साउथ अफ्रीका ने मंगलवार को टी-२० सीरीज के दूसरे मुकाबले भारत को ५ विकेट से हराया। टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए १९.३ ओवर में ७ विकेट पर १८० रन बनाए। बारिश के कारण साउथ अफ्रीका को १५ ओवर में १५२ रन का संशोधित लक्ष्य मिला था, जिसे टीम ने महज १३.५ ओवर में ५ विकेट हासिल कर लिया। तबरेज शम्सी प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

शम्सी ने सूर्यकुमार का विकेट लेकर 'शू' सेलिब्रेशन किया, जबकि तिलक वर्मा को २ जीवनदान मिले। रिंकू ने ६८ रन की पारी में २ सिक्स लगाए, जिसमें से एक मीडिया बॉक्स के कांच पर जा लगा।

भारतीय पारी के दौरान तिलक वर्मा को २ जीवनदान मिले। पहला जीवनदान पहले ओवर में मार्को यानसेन की बॉल पर मिला। तीसरी बॉल पर ईशान को आउट करने के बाद यानसन ने चौथी बॉल पर तिलक को बैकवर्ड पॉइंट पर शॉट खेलने के लिए मजबूर किया, डेविड मिलर खड़े थे, लेकिन मिलर इस कैच को नहीं पकड़ सके।

तिलक को दूसरा जीवनदान दूसरे ओवर में मिला। ओवर की चौथी बॉल पर लिजाद विलियम्स ने तिलक को बाउंसर फेंकी और तिलक ने पुल शॉट खेला। शम्सी उनका कैच लपकने के लिए दौड़े, लेकिन कैच का अंदाजा लगा सके और बॉल उनके हाथों में आए बिना ही ड्रॉप हो गई।

सूर्यकुमार यादव ने हेलिकॉप्टर शॉट पर जमाया सिक्स

भारत की पारी के ५वें ओवर में सूर्यकुमार यादव ने हेलिकॉप्टर शॉट लगाया, तब लिजाद विलियम्स गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की आखिरी बॉल पर लिजाद ने यॉर्कर इस पर सूर्या ने हेलिकॉप्टर शॉट खेला और मिडविकेट की ओर सिक्स लगा दिया।

शम्सी ने किया 'शू' सेलिब्रेशन

साउथ अफ्रीका के बॉलर तबरेज शम्सी ने सूर्यकुमार यादव का विकेट लेने के बाद 'शू सेलिब्रेशन' किया। १४वें ओवर की ५वीं गेंद पर शम्सी की गुगली पर सूर्या ने लॉन्ग पर शॉट खेला, लेकिन बॉल कनेक्ट नहीं कर सके। बॉल हवा में गई और यानसन ने आसानी से उनका कैच ले लिया।

सूर्यकुमार यादव का विकेट लेने के बाद शम्सी ने जूता निकाल कर सेलिब्रेट किया। यह शम्सी का सिग्नेचर सेलिब्रेशन है, जिसे वे कई बार कर चुके हैं। में शम्सी ने शिखर धवन का विकेट लेने के बाद भी ऐसा ही सेलिब्रेशन किया था।

रासी वान डर डसन ने २०२० में खुलासा किया था कि शम्सी अपने आइडल इमरान ताहिर की प्रशंसा करते हैं और जब भी वे विकेट लेते हैं, तो अपने से अनुभवी गेंदबाज को करने का एक्शन करते हैं।

शम्सी ने मैच के बाद कहा कि, स्टैंड्स से उनके बच्चे इस सेलिब्रेशन की मांग कर रहे थे, इसलिए उन्होंने ऐसा किया।

कंफ्यूजन के चलते आउट हुए

साउथ अफ्रीका के ओपनर मैथ्यू ब्रीत्जकी कंफ्यूजन के चलते रनआउट हो गए। तीसरे ओवर में रवींद्र जडेजा गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की ५वीं गेंद पर रीजा हेंड्रिक्स ने मिडविकेट पर शॉट खेलकर सिंगल लिया।

हेंड्रिक्स एक रन ही लेना चाहते थे, लेकिन ब्रीत्जकी क्रीज पर जाने के बाद देखे दूसरे रन के लिए दौड़ पड़े। हेंड्रिक्स ने उन्हें रन लेने से मना किया, लेकिन वे संकेत समझ नहीं पाए। वे दूसरे छोर तक लगभग पहुंच गए। फील्डर ने बॉलर जडेजा की ओर थ्रो फेंका था। ब्रीत्जकी वापस जाने के लिए दौड़े, लेकिन देरी हो चुकी थी। जडेजा बिना समय गंवाए विकेटकीपर जितेश शर्मा की ओर थ्रो फेंका और ब्रीत्जकी रनआउट हो गए।

रिंकू सिंह के छक्के ने तोड़ा मीडिया बॉक्स का कांच

रिंकू सिंह के छक्के ने सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम के मीडिया बॉक्स कांच तोड़ दिया। १९वें ओवर में साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम गेंदबाजी करने आए। ओवर की पांचवी बॉल पर रिंकू सिंह ने आगे बढ़कर मिडविकेट की ओर शॉट खेला। बॉल सीधे मैदान के मीडिया बॉक्स की ओर गई, जहां का कांच टूट गया।

शमी बोले- भारतीय मुस्लिम होने पर गर्व

नई दिल्ली : वनडे वर्ल्ड कप २०२३ के टॉप विकेट टेकर भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टूर्नामेंट के दौरान हुई सजदा कंट्रोवर्सी पर चुप्पी तोड़ी उन्होंने कहा कि वह सजदा करना चाहें, तो भारत में कहीं पर भी कर सकते हैं और उन्हें कोई नहीं रोकेगा।

शमी ने यह बात मीडिया कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में कही। शमी वर्ल्ड कप के ७ मैचों में २४ विकेट लेकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट वाले गेंदबाज रहे थे।

दरअसल, वर्ल्ड कप के दौरान लीग मैच में मोहम्मद शमी श्रीलंका के खिलाफ ५ विकेट लेने के बाद कुछ देर के लिए घुटनों के बल बैठ गए थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स ने कहना शुरू कर दिया कि भारतीय गेंदबाज सजदा करना था, मगर डर के चलते नहीं किया।

इंटरव्यू के दौरान जब शमी से पूछा गया कि जब आप पांच विकेट लेने के बाद घुटनों पर बैठे थे तो सोशल मीडिया पर कई पाकिस्तानी यूजर ने सवाल खड़े किए थे। कहा गया कि शमी इंडियन मुस्लिम है, इसलिए डर की से सजदा नहीं कर पाए।

गर्व से कहता हूं कि मैं मुस्लिम हूं, मैं भारतीय हूं

शमी ने कहा, 'सजदा कोई करना चाहता है तो कौन रोकेगा। मैं करना चाहूंगा तो कर लूंगा ना। मैं मुस्लिम हूं, गर्व से कहता हूं कि मुस्लिम हूं। मैं इंडियन हूं तो गर्व कहता हूं कि हां मैं इंडियन हूं। इसमें क्या दिक्कत है। अगर मुझे कोई दिक्कत होती तो भाई मुझे यहां इंडिया में रहना ही नहीं चाहिए था। अगर मुझे मेरा सजदा करने के लिए किसी की परमिशन की जरूरत पड़ती तो मैं रहूंगा ही क्यों यहां पर। भारत में मंच पर सजदा कर सकता हूं।'

पहले भी ५ विकेट लिए, पर मैंने कभी सजदा नहीं किया

शमी ने आगे कहा कहा, 'मैंने भी इंस्टाग्राम पर ये सारी चीजें देखी हैं कि मैं सजदा करना चाहता था और नहीं किया। मैंने पहले भी ५ विकेट लिए हैं। मैंने तब सजदा नहीं किया। जिस दिन मुझे सजदा करना होगा तो मैं कर लूंगा। बताओ न कहां करना है। मैं इंडिया के हर मंच पर करूंगा और मुझसे कोई सवाल करके दिखाए। ये लोग सिर्फ परेशान करते हैं ये किसी से प्यार नहीं करते। इन्हें केवल कंटेंट चाहिए, कुछ भी

थक कर घुटने पर बैठ गए थे शमी

शमी ने बैठने की वजह बताते हुए कहा, 'वह छठा ओवर था। मैं बहुत इंटेंसिटी से बॉलिंग कर रहा था। मैं अपनी लिमिट के बाहर जाकर बॉल फेंक रहा था। लगातार विकेट गिर रहे थे। ३ विकेट लेने के बाद मैंने कि ५ विकेट लेकर यहां से जाऊं। उस समय मैं एक्स्ट्रा एफर्ट से बॉलिंग कर रहा था। मैं थक चुका था। वह (एंजलो मैथ्यूज) आउट नहीं हो रहा था। वह बीट हो रहा था। जब पांचवां आउट हुआ तो मैं घुटनों पर बैठा हुआ था। लोग उसके अलग ही निकालने लगे। मुझे लगता है कि जो लोग ऐसी बातें बनाते हैं, उनके पास कोई और काम नहीं है।'

क्रिकेट के कंसल्टेंट होंगे सनथ जयसूर्या

उपुल थरंगा सिलेक्शन कमेटी के नए चेयरमैन पूर्व स्पिनर अजंथा मेंडिस भी सिलेक्टर

नई दिल्ली : श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी नई सिलेक्श कमेटी गठित कर दी है। पूर्व ओपनर उपुल थरंगा चीफ सिलेक्टर होंगे, वहीं अजंथा मेंडिस समेत ४ पूर्व खिलाड़ी भी कमेटी में चुने गए पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या एक साल तक बोर्ड के नए कंसल्टेंट रहेंगे।

एक साल तक कंसल्टेंट रहेंगे जयसूर्या

सनथ जयसूर्या एक साल तक श्रीलंका क्रिकेट के चीफ कंसल्टेंट होंगे। वह कोचिंग स्टाफ और प्लेयर्स के काम को मॉनिटर करेंगे। साथ ही घरेलू क्रिकेट के डेवलपमेंट पर भी ध्यान देंगे, टीमों की रिक्वायरमेंट, कोचिंग स्टाफ और ट्रेनिंग की जिम्मेदारी भी रहेगी। श्रीलंका के एथलीट मैनेजमेंट सिस्टम और खिलाड़ियों के स्किल डेवलमेंट की जिम्मेदारी भी जयसूर्या ही संभालेंगे।

२ साल तक रहेगी नई सिलेक्शन कमेटी

श्रीलंका क्रिकेट ने २ साल के लिए नई सिलेक्शन कमेटी भी गठित की। उपुल थरंगा के अध्यक्ष रहेंगे। जबकि अजंथा मेंडिस, इंडिका डी सरम, थरंगा परनाविताना और दिलरुवान परेरा कमेटी के सदस्य होंगे। नई सिलेक्शन कमेटी का पहला टास्क जिम्बाब्वे के खिलाफ घर में वनडे और टी-२० सीरीज की टीम चुनना रहेगा।

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134